● वर्ष-2
● अंक-153
रायपुर, मंगलवार 14 फरवरी 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार


## इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

### किस ओर जा रहा छत्तीसगढ़?

छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण जब हुआ तब समस्त प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण इस क्षेत्र के नए सिरे से विकास की उम्मीद जगी थी। राज्य बनने के बाद स्व अजीत जोगी ने प्रदेश के नव निर्माण की नीतियां बनाई, 2003 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद अधोसंरचना, उद्योग, स्कूल, अस्पताल के निर्माण में तेजी आई। इसके साथ साथ प्रदेश में नक्सल हिंसा भी बढ़ी, जब प्रदेश विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा था, तब नक्सली जनजातीय क्षेत्रों में विकास को अवरुद्ध कर रहे थे। इस कारण जनजातीय समाज ने नक्सल हिंसा के खिलाफ सलवा जुडूम शुरू किया। इससे बौखलाए नक्सली जो 2004 के बाद माओवादी हो चुके थे, हिंसा का तांडव मचाया। 25 मई 2013 को झीरम घाटी में माओवादियों ने कांग्रेस काफिले को विस्फोट कर उड़ाया और अंधाधुंध फायरिंग कर 28 कांग्रेस के नेताओं की जान ली। इनमें तत्कालीन प्रदेशाध्यक्ष नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा, विद्याचरण शुक्ल भी शामिल थे। यह बेहद दुर्भाग्यजनक घटना थी इसके दोषियों को सजा मिलनी चाहिए थी लेकिन राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप में ऐसा हो न सका। अब इस घटना के 10 साल बाद एक बार फिर बस्तर में माओवादी राजनीतिक हत्या करने लगे हैं। इस मामले को भाजपा के अध्यक्ष अरुण साव ने टारगेट किलिंग कहते हुए सांसद में निष्पक्ष जांच की मांग कर दी है। इस मामले में सरकार और कांग्रेस पार्टी को जैसी गंभीरता और संवेदनशीलता दिखानी चाहिए वैसे दिख नहीं रही। प्रदेश प्रवक्ता भाजपा पर राजनीति करने का आरोप लगा रहे, क्या ऐसी ही राजनीति कांग्रेस झीरम घाटी को लेकर नहीं कर रही? मुख्यमंत्री कह रहे भाजपा केंद्रीय एजेंसी से जांच करवा लें, यह कैसा बयान है? प्रदेश के मुखिया को निर्णय लेना चाहिए की इन घटनाओं की जांच किस एजेंसी से कराई जाय? ठीक है, इस साल के अंत में चुनाव होने हैं, इसलिए राजनीति खूब होगी लेकिन सरकार को राजनीति करने के बजाय मामले की गंभीरता को समझना चाहिए। माओवादी जब एक दल विशेष के नेताओं को निशाना बना रहे, तो ऐसी स्थिति में आगामी चुनाव में भाजपा और अन्य राजनीतिक दल निर्भय होकर चुनाव में काम कर पाएंगे? क्या इससे चुनाव प्रभावित नहीं होगा? ऐसा हुआ तो क्या निष्पक्ष चुनाव हो पाएगा? वैसे यह जांच का विषय जरूर है कि माओवादी केवल भाजपा के नेताओं की हत्या क्यों कर रहे हैं? क्या इसके पीछे भी कोई राजनीतिक साजिश तो नहीं है? अगर ऐसा है तो छत्तीसगढ़ की राजनीतिक दिशा भटक गई है।

# संसद में उठा टारगेट किलिंग का मुद्दा

## भाजपा कार्यकर्ताओं की निर्मम हत्या पर लोकसभा में बरसे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव छत्तीसगढ़ में पिछले 30 दिनों में 4 भाजपा पदाधिकारियों की निर्मम हत्या पर कांग्रेस के खिलाफ लोकसभा में जमकर बरसे। श्री साव ने कहा कि भाजपा नेताओं की टारगेट किलिंग हो रही है। भारत सरकार छत्तीसगढ़ राज्य सरकार को लोगों की सुरक्षा के लिए निर्देशित करें। उन्होंने निष्पक्ष जांच की भी मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देंगे।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने लोकसभा में कहा कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में, मैं बड़े दुख के साथ कह रहा हूं कि पिछले एक माह में भारतीय जनता पार्टी के चार प्रमुख पदाधिकारियों की निर्मम हत्या हुई है (बुधराम करटाम, नीलकंठ कक्केम,सागर साहू, रामधन अलामी इन चार प्रमुख पदाधिकारियों की लक्ष्य करके टारगेट किलिंग एक माह में हुई है। यह राजनीतिक षड्यंत्र है। भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ यह राजनीतिक षड्यंत्र है राज्य की कांग्रेस सरकार राज्य के लोगों को सुरक्षा देने में पूरी तरह से विफल साबित हुई है। हमारे लोगों से सुरक्षा वापस ली गई है। छत्तीसगढ़ को रक्तरंजित करने का प्रयास हो रहा है। छत्तीसगढ़ महतारी के 4 सपूतों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देंगे। मैं सदन के माध्यम से निष्पक्ष जांच की मांग करता हूं और भारत सरकार से आग्रह करता हूं कि राज्य सरकार को निर्देशित



करें कि छत्तीसगढ़ की जनता के जीवन की रक्षा करें। लोकतंत्र की हत्या बंद हो।

संपत्ति कर आधा करने का वादा करके सत्ता में आई कांग्रेस। अब जनता से लूट खसोट पर उतर आई है। प्रदेश के अवैध निर्माण को वैध करने के लिए शासन ने नियमितीकरण कानून लागू किया है। इस नियमितीकरण की आड़ में प्रदेश के कांग्रेसी महापौर और अध्यक्ष सभी निर्माण को अवैध बताकर नियमित कराने का नोटिस जारी कर दिया है। इससे नागरिकों में भ्रम और भय की स्थिति हो गई है।

आर्थिक बदहाली के दरवाजे तक पहुंच चुके छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार नगरीय निकाय को कोई बजट आवंटित नहीं कर रही है। निगम की आय बढ़ाने के बजाय निजी स्वार्थ के लिए कांग्रेस के नगरीय निकाय के पदाधिकारी जनता पर दबाव बनाकर भया दोहन कर रहे हैं।

कानून के अनुसार जिन को नियमितीकरण करवाना है वह करवाएंगे और समय सीमा समाप्त होने के पश्चात अगर सरकार को लगता है कि कोई निर्माण अवैध है तो उस पर कार्रवाई करें।

### पूछताछ करे केंद्रीय जांच एजेंसियां कांग्रेस

प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद अरुण साव ने देश के सर्वोच्च सदन में झूठ बोलकर प्रदेश में नक्सलियों के द्वारा की गई हत्या को टारगेट किलिंग का रूप देकर घिनौनी ओछी राजनीति करने का षड्यंत्र रचा है। यह बेहद निंदनीय है दुर्भाग्य जनक है भाजपा को अपने कार्यकर्ताओं की हत्या का दुख नहीं है बल्कि हमेशा की तरह भाजपा लाशों पर राजनीति कर रही है। यदि अरुण साव नक्सलियों के द्वारा की गई हत्या को टारगेट किलिंग बता रहे हैं तो निश्चित तौर पर उनके पास मजबूत आधार सबूत होंगे तो उन्हें सदन के पटल पर रखना था और केंद्रीय जांच एजेंसियों को साव के द्वारा लगाये गये आरोप की जांच की शुरुआत अरुण साव से ही पूछताछ कर शुरू करना चाहिए अरुण साव का नारको टेस्ट भी होना चाहिए।

### पूरे प्रदेश में निकाली मशाल रैली

कांग्रेस द्वारा कराई जा रही रक्तपात की घटनाओं के विरोध में आज पूरे प्रदेश में मशाल यात्रा निकाली गई। हिंसक घटनाओं के विरोध में भाजपा कार्यकर्ता, नेता, पदाधिकारियों के साथ आम जनता षडयंत्रकारी सरकार के खिलाफ सड़क पर मशाल लेकर उतरी और अपने आक्रोश को व्यक्त किया। प्रदेश भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ शांति का टापू रहा है। यहां के शांतिपूर्ण वातावरण में कांग्रेस ने हिंसा का राजनीतिकरण कर दिया और राजनीति को हिंसा का औजार बना दिया है। आदिवासी मारे जा रहे हैं और आदिवासी जेल भेजे जा रहे हैं। एक हत्या जगदलपुर में, एक नारायणपुर में, एक बीजापुर में, एक दंतेवाड़ा में हुई। बस्तर जिला मंत्री बुधराम करटाम की हत्या, बीजापुर जिले में मंडल अध्यक्ष नीलकंठ कक्केम की नृशंस हत्या, नारायणपुर के जिला उपाध्यक्ष सागर साहू की छोटेडोंगर में हत्या, दंतेवाड़ा में पूर्व सरपंच रामधर अलामी की निर्मम हत्या हाल ही में हुई है। तीन आदिवासी और एक पिछड़े वर्ग से जुड़ा सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता कांग्रेस की क्रूर राजनीति का शिकार हुए। हिंसा की राजनीति का छत्तीसगढ़ में कोई स्थान नहीं है। कांग्रेस अपने कर्मों का फल भुगतने तैयार रहे।

# भारतीय सेना के डॉक्टर ने विकसित किया फिक्सेटर

■ तुर्किये-सीरिया में इलाज में हो रहा इस्तेमाल

**नई दिल्ली।** भारतीय सेना के एक डॉक्टर ने हाथ की हड्डी टूटने पर उसके इलाज के लिए एक बाहरी फिक्सेटर विकसित किया है जिसका उपयोग तुर्किये और सीरिया में भूकंप पीड़ितों की मदद के लिए किया जा रहा है। अधिकारी ने कहा कि बाहरी फिक्सेटर का उद्देश्य मरीजों को तेजी से ठीक करना है। फिक्सेटर को विकसित करने वाले कर्नल विजय पांडे ने कहा कि यह अन्य उपलब्ध समाधानों से सस्ता है।

उन्होंने कहा कि नया फिक्सेटर पहले से उपलब्ध समाधानों की तुलना में हल्का और सस्ता है और रोगियों को तेजी से ठीक कर



सकता है। कर्नल विजय पांडे ने कहा कि यह बाहरी फिक्सेटर जिसका मैंने आविष्कार किया है, मुख्य रूप से हाथ के इंटरकॉन्डाइलर फ्रैक्चर के लिए है। यह काफी सस्ता है, इसकी कीमत 300 रुपये के आसपास है और इसका वजन करीब पांच ग्राम है। इसे एक सामान्य सर्जन द्वारा आसानी से लगाया जा सकता है उन्होंने कहा कि हम पहले ही 100 रोगियों पर इस फिक्सेटर का उपयोग कर चुके हैं और वर्तमान में इसका उपयोग सीरिया और तुर्किये में आए भूकंपों में किया जा रहा है। इस फिक्सेटर से अन्य फिक्सेटरों द्वारा लिए गए छह महीनों की तुलना में केवल एक महीने में 90 फीसदी गतिशीलता प्राप्त कर सकते हैं। भूकंप प्रभावित तुर्किये के अंताक्य में बचाव और खोजी दल लोगों को बचाने के लिए समय के साथ संघर्ष कर रहा है क्योंकि देश में मरने वालों की संख्या 24,617 तक पहुंच गई है। तुर्किये की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलू ने ट्वीट किया, चूंकि मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, संयुक्त राष्ट्र के राहत प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ्स ने इस सप्ताह की शुरुआत में दक्षिणी तुर्किये और उत्तर-पश्चिमी सीरिया में आए शक्तिशाली भूकंपों का वर्णन इस क्षेत्र में एक सदी में होने वाली सबसे खराब घटना के रूप में किया है इससे पहले रविवार को भारत की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन दोस्त की सातवीं खेप 23 टन से अधिक राहत सामग्री के साथ भूकंप प्रभावित सीरिया पहुंची, जिसे दमिश्क हवाई अड्डे पर स्थानीय प्रशासन और पर्यावरण उप मंत्री मुताज डौजी ने प्राप्त किया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, 7वां ऑपरेशन दोस्त विमान 23 टन से अधिक राहत सामग्री के साथ सीरिया पहुंचा, जिसमें जेनसेट, सोलर लैंप, आपातकालीन और महत्वपूर्ण देखभाल की दवाएं और आपदा राहत उपभोग्य वस्तुएं शामिल थीं। राहत सामग्री को दमिश्क हवाई अड्डे पर स्थानीय प्रशासन और पर्यावरण उप मंत्री मुताज डौजी द्वारा प्राप्त किया गया।

## प्रमुख समाचार

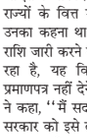

### महालेखाकार का प्रमाणपत्र मिलते ही जीएसटी बकाया जारी कर देगा केंद्र- सीतारमण

**नयी दिल्ली।** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से जुड़े बकाये की राशि महा लेखाकार (एजी) का प्रमाणपत्र मिलने के बाद जारी कर दी जाती है, लेकिन कई राज्यों से यह प्रमाणपत्र नहीं मिला है। उन्होंने सदन में द्रमुक सांसद ए राजा के पूरक प्रश्न के उत्तर में यह भी कहा कि राज्यों को एजी प्रमाणपत्र देने को लेकर 'सक्षम' होना पड़ेगा। सीतारमण ने कहा, ''जीएसटी मुआवजा कब दिया जाएगा, यह फैसला केंद्र सरकार नहीं करती। यह फैसला जीएसटी परिषद करती है। इस परिषद में सभी राज्यों के वित्त मंत्री बैठकर फैसला करते हैं।'' उनका कहना था कि जीएसटी से जुड़ी मुआवजा राशि जारी करने में विलंब केंद्र के स्तर पर नहीं हो रहा है, यह विलंब राज्यों की ओर से एजी प्रमाणपत्र नहीं देने के कारण हो रहा है। सीतारमण ने कहा, ''मैं सदन को बताना चाहती हूं कि राज्य सरकार को इसे लेकर सक्षम होना पड़ेगा कि एजी प्रमाणपत्र दिया जाए।

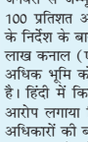



### भरोसे के लिये लोगों को सुनना जरूरी, अधिकारों को बुलडोजर के नीचे कुचलना नहीं- प्रियंका

**नयी दिल्ली।** कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर में चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि शांति और विश्वास के लिए आम लोगों की बात सुनना जरूरी है न कि बुलडोजर के नीचे उनके अधिकारों को कुचलना। कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी जैसे प्रमुख राजनीतिक दलों ने इस अभियान के खिलाफ अपनी चिंता व्यक्त की है और इसे तत्काल समाप्त करने की मांग की है। राजस्व विभाग के आयुक्त सचिव विजय कुमार बिधूड़ी के सभी उपायुक्तों को सात जनवरी से जम्मू-कश्मीर में सरकारी जमीन से 100 प्रतिशत अतिक्रमण हटाना सुनिश्चित करने के निर्देश के बाद अब तक जम्मू-कश्मीर में 10 लाख कनाल (एक कनाल = 605 वर्ग गज) से अधिक भूमि को पुन: कब्जे में लिया जा चुका है। हिंदी में किए गए एक ट्वीट में प्रियंका ने आरोप लगाया कि लद्दाख में अपने संवैधानिक अधिकारों की बहाली की मांग कर रहे लोगों के साथ ज्यादती की जा रही है।



### दिसंबर में 5.72% रहने वाली खुदरा महंगाई बढ़कर जनवरी में 6.52% हो गई

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों से संकेत मिलता है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति दिसंबर में मामूली रूप से बढ़कर 5.72 प्रतिशत हो गई, जबकि नवंबर में यह 5.88 प्रतिशत थी। जनवरी 2023 में खुदरा महंगाई दर के आंकड़ों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। जनवरी में खुदरा महंगाई दर 6.52 फीसदी रही है जबकि दिसंबर 2022 में 5.72 फीसदी रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक को प्रमुख ब्याज दरों में एक और बढ़ोतरी का विकल्प चुनने के लिए प्रेरित कर सकता है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों से संकेत मिलता है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति दिसंबर में मामूली रूप से बढ़कर 5.72 प्रतिशत हो गई, जबकि नवंबर में यह 5.88 प्रतिशत थी। दो महीने के विराम के बाद खुदरा मुद्रास्फीति 6 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में लौट आई है। जहां तक मध्यम अवधि के 4 प्रतिशत के लक्ष्य की बात है, सीपीआई मुद्रास्फीति अब लगातार 40 महीनों से इससे ऊपर है।

### सिख बंदियों के लिए प्रदर्शन पर पुलिस अलर्ट

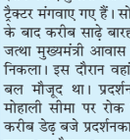

**मोहाल।** कौमी इंसाफ मोर्चा के प्रदर्शनकारियों एवं पुलिस के बीच आठ फरवरी को हुई भिड़ंत के बाद चंडीगढ़ और मोहाली पुलिस अलर्ट पर है। सोमवार सुबह से ही मोहाली पुलिस ने धरनास्थल और उसके आसपास के इलाके को पुलिस छावनी में बदल दिया। करीब 10 बजे बड़ी संख्या में पुलिस, होमगार्ड, कमांडो और एआरपी (एंटी रायट पुलिस) के जवानों ने मोर्चा संभाल लिया। वहीं धरनास्थल के आसपास सात बुलेटप्रूफ ट्रैक्टर भी दिखे। पुलिस का कहना है कि अब प्रदर्शनकारियों द्वारा माहौल न बिगाड़ा जाए, इसके लिए पुलिस सतर्क है और इसी के मद्देनजर ट्रैक्टर मंगवाए गए हैं। सोमवार को अरदास करने के बाद करीब साढ़े बारह बजे एक 31 सदस्यीय जत्था मुख्यमंत्री आवास की तरफ जाने के लिए निकला। इस दौरान वहां भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद था। प्रदर्शनकारियों को चंडीगढ़-मोहाली सीमा पर रोक दिया गया। इसके बाद करीब डेढ़ बजे प्रदर्शनकारियों ने शांतिपूर्ण ढंग से सड़क पर बैठकर सतनाम वाहेगुरु का जाप करना शुरू कर दिया।



### जिंदा है प्रभाकरण, जल्द आएगा सामने, तमिल नेता के ऐलान से आया भूचाल

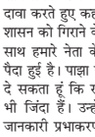

**नई दिल्ली।** 21 मई 2009 को लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम के संस्थापक वेलुपिल्लई प्रभाकरण को श्रीलंका की सेना ने मौत के घाट उतार दिया था। लेकिन अब वर्ल्ड तमिल फेडरेशन के अध्यक्ष पाझा नेदुमारन ने लिब्रेशन टाइगर्स ऑफ तमिल इलम के प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरण को लेकर सनसनीखेज दावा किया है। प्रसिद्ध तमिल राष्ट्रवादी नेता पाझा नेदुमारन ने सोमवार को दावा किया कि लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल एलम (लिट्टे) के नेता वेलुपिल्लई प्रभाकरन जीवित हैं और जल्द ही सार्वजनिक रूप से दिखाई देंगे। पाझा नेदुमारन ने दावा करते हुए कहा, अंतर्राष्ट्रीय स्थिति और राजपक्षे शासन को गिराने के लिए लंका के लोगों के उदय के साथ हमारे नेता के उभरने के लिए उपयुक्त स्थिति पैदा हुई है। पाझा ने कहा कि मैं इस बात की गारंटी दे सकता हूं कि राष्ट्रीय तमिल नेता प्रभाकरन अभी भी जिंदा हैं। उन्होंने बताया कि वो इस बात की जानकारी प्रभाकरण के परिवार की सहमति लेने के बाद ही लोगों तक पहुंचा रहे हैं।



# योजनाओं को चुनावी शस्त्र बनाने की तैयारी में कांग्रेस

**आशीष तिवारी**

इस साल होने वाले अलग-अलग राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस अपनी एक ऐसी योजना के जरिए सत्ता में वापसी की तैयारी कर रही है, जिसको पार्टी अपना सबसे बड़ा सियासी शस्त्र मान रही है। दरअसल यह कुछ और नहीं बल्कि राजस्थान सरकार की ओर से शुरू की गई वह चिरंजीवी योजना है, जिसमें स्वास्थ्य सुरक्षा के तौर पर 25 लाख रुपये का नि:शुल्क इलाज किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी से जुड़े वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि राजस्थान की योजना को अब आने वाले चुनावों में सबसे बड़ा जन सरोकार का मुद्दा बनाकर जनता के समक्ष रखा जाएगा। इसके अलावा पार्टी ने पुरानी पेंशन बहाली के मुद्दे को भी सबसे आगे रखा है।

### 25 लाख रुपये का नि:शुल्क इलाज

दरअसल राजस्थान सरकार के अपने हाल में पेश किए गए बजट में ऐसी कई योजनाएं प्रस्तुत कीं, जो कांग्रेस आने वाले विधानसभा के चुनाव में उसको मॉडल के तौर पर आगे प्रस्तुत करने वाली है। कांग्रेस पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि राजस्थान सरकार की ओर से शुरू की गई चिरंजीवी योजना उसमें सबसे प्रमुख है। दरअसल इस योजना में जनता को सीधे तौर पर 25 लाख रुपये का नि:शुल्क इलाज मिल रहा है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी मानते हैं कि 25 लाख रुपये की चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना राजस्थान में लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए बहुत महत्वपूर्ण योजना के तौर पर इस बजट में लाई गई है। गहलोत कहते हैं अभी तक चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना के तहत दस लाख



रुपये तक की स्वास्थ्य सुविधाएं और इलाज नि:शुल्क था। लेकिन इस साल से उनकी सरकार ने चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना के तहत 25 लाख रुपये का नि:शुल्क इलाज का प्रावधान किया है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कहते हैं कि चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना देश की सबसे बड़ी और बेहतर स्वास्थ्य बीमा योजना है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कहते हैं कि इस योजना की खासियत यही है कि अगर कोई भी व्यक्ति, जिसका चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना में रजिस्ट्रेशन नहीं है, वह भी इसका लाभ उठा सकता है। इसके अलावा इस योजना में किसी भी तरीके की कोई आय वर्ग की कैपिंग भी नहीं है। यानी राजस्थान का कोई भी नागरिक इस योजना का लाभ उठा सकता है। वह कहते हैं राजस्थान में जिस तरह से चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना का लाभ प्रदेश के लोगों ने उठाया है। ठीक उसी तरह इस योजना को पूरे देश में लागू करके हर व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिलना चाहिए।

### पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा

कांग्रेस पार्टी से जुड़े एक वरिष्ठ नेता बताते हैं कि आने वाले दिनों में विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी कई मुद्दों के साथ चुनावी मैदान में उतर रही है। जिसमें कुछ मुद्दे तो ऐसे हैं, जो पहले से ही 2022 के विधानसभा चुनावों में मुद्दे के तौर पर हिमाचल प्रदेश गुजरात समेत अन्य राज्यों में रखे जा चुके हैं। उन्हें इसमें पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा सबसे महत्वपूर्ण है। कांग्रेस पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि पुरानी पेंशन बहाली जैसे अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से रखकर ही उनकी सरकार ने हिमाचल प्रदेश में जनता का भरोसा जीता है। अब आने वाले अलग-अलग राज्यों के विधानसभा चुनावों में हिमाचल प्रदेश में अपनाई गई नीतियों के साथ राजस्थान सरकार की कुछ चुनिंदा योजनाओं को भी अपनी प्राथमिकता सूची में रखा जाएगा। पार्टी से जुड़े नेताओं का कहना है कि ऐसा करके वह जिन राज्यों में विधानसभा के चुनाव होंगे, वहां पर जनता का भरोसा जीत कर सत्ता में वापस आने की पूरी दमखम लगाएंगे।

कांग्रेस पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि सिर्फ पुरानी पेंशन बहाली और चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ में अपनाई जाने वाली कई योजनाओं को आने वाले विधानसभा के चुनावों में मुद्दों के तौर पर रखा जाएगा। इसमें जिस तरीके से छत्तीसगढ़ सरकार ने गोबर के माध्यम से किसानों को रोजगार परियोजनाओं में शामिल किया है, वह मुद्दा भी अलग-अलग राज्यों के विधानसभा चुनावों में सम्मिलित किया जाएगा। कांग्रेस की चुनाव प्रचार समिति से जुड़े एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि जहां-जहां उनकी सरकार है वहां पर बेहतर योजनाओं को एकत्रित करके उनका अध्ययन किया जाएगा और फिर उसके बाद अलग-अलग राज्यों के विधानसभा चुनावों में उसको जनता के समक्ष रखा जाएगा। ताकि आने वाले विधानसभा के चुनावों में वह बेहतर तरीके से चुनावी मुद्दों के माध्यम से राज्य को जनता का समर्थन पा सकें।

# भाजपा मेरी चिंता करती है इसके लिए आभारी हूं: सिंहदेव

■ घोषणा पत्र के कई वादे शेष

**बालोद।** छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव रविवार देर शाम बालोद जिले के दौरे पर आए थे। 94 ग्राम झलमला में वह एक निजी वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। यहां पर उन्होंने गंगा मैया मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। स्वास्थ्य मंत्री ने कई महत्वपूर्ण विषयों को लेकर मीडिया से चर्चा की, जिसमें प्रमुख रूप से उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की हो रही हत्या पर दोहरे जवाब दिए। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी उक्त विभाग की होती है। दूसरी बात ये भी है कि कई बार कई बार पुरानी रेंजिश होती है, कोई पूर्वानुमान नहीं लगा सकता, इसलिए स्वयं को सतर्क रहने की आवश्यकता होती है।

स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव ने कहा कि यदि वह मेरे बारे में सोचते हैं तो मैं भारतीय जनता पार्टी का आभारी हूं। उन्हें मेरी चिंता लगी रहती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मेरा परिवार अलग है उनका परिवार अलग है। मैं अपने परिवार के बारे में सोचता हूं। दरअसल बृजमोहन अग्रवाल ने टीएस सिंह देव के

लिए कहा था कि यदि उन्हें अपनी साख बचानी है तो उन्हें भारतीय जनता पार्टी का साथ देना चाहिए उनका समर्थन करना चाहिए।

### कांग्रेस सरकार ने बनाया घोषणा पत्र

स्वास्थ्य मंत्री डीएसपी देव से जब एक पत्रकार ने पूछा कि जिला बनने के बाद आप पहली बार यहां आए हैं, घोषणा पत्र को लेकर जिले वासियों को इंतजार है। इस सवाल के जवाब पर उन्होंने सीधे-सीधे जवाब दिया कि घोषणापत्र कांग्रेस की सरकार ने बनाया था और कई घोषणा पत्र के वादे पूरे हुए हैं और कुछ बाकी हैं। मितानिन कर्मचारियों के वादे शेष हैं सफाई कर्मियों के संविदा में कार्य कर रहे कर्मचारियों के सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित कई विषय ऐसे हैं जो कि शेष हैं। अंतिम बजट है. गंभीर विषयों को लेकर सरकार चिंतन कर रही है।

### नए राज्यपाल की जिम्मेदारी

राज्यपाल के बदल जाने के विषय को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यहां पर राज्यपाल तो बदल गए हैं, उन्होंने कोई सकारात्मक रुख नहीं दिखाया है। यदि वह बिल से असहमत थे तो बिल को वापस भेज देते लेकिन वह फाइल के ऊपर बैठ गए। साथ ही उन्होंने कहा कि नए राज्यपाल से उम्मीद वाली कोई बात नहीं है यह उनकी नैतिक जिम्मेदारी है। यहां पर भर्तियां रुकी हुई हैं, छत्तीसगढ़ के युवाओं के भविष्य का सवाल है।

### कार्यकर्ताओं की मृत्यु पर दोहरा जवाब

छत्तीसगढ़ में हो रहे भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की हत्या के मामले में यहां पर स्वास्थ्य मंत्री ने दोहरा जवाब दिया है। पहले तो उन्होंने कहा कि यह विभाग की जिम्मेदारी है जो लॉ एंड ऑर्डर देखते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी विषय हो यदि उन्हें कोई खतरा है तो उन्हें सतर्क रहना चाहिए वही एक बात यह है कि उन्होंने आकस्मिक घटनाओं को लेकर किसी को पता ना रहने की बात भी कही।

## मंत्री सिंहदेव खुद कार चलाकर मंत्री और पूर्व विधायक को लेकर निकले

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव बालोद जिला पहुंचे तो मां गंगा मैया मंदिर में उनका युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार अभिवादन किया। सरकार बनने के बाद पहली बार बालोद पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री के साथ कार्यकर्ताओं ने जमकर सेल्फी ली। यह समय कार्यकर्ताओं की उत्सव जैसा था। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री का एक अलग अंदाज देखने को मिला। उन्होंने ड्राइवर को कहा कि गाड़ी मैं चला लूंगा, उन्होंने इसके बाद सुरक्षाबलों के साथ चर्चा की। फिर खुद गाड़ी में बैठ गए और उनकी बाजू वाली सीट पर मंत्री अनिला भेड़िया भी बैठी रहीं। पीछे पूर्व विधायक भैयाराम सिन्हा और अन्य भी बैठे रहे।

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव अपने हरफनमौला अंदाज के लिए जाने जाते हैं। बालोद में भी उनका यह अंदाज देखने को मिला। जब मंत्री अनिला भेड़िया के साथ वह खुद गाड़ी चलाते हुए निकले और गाड़ी के पीछे सीट पर पूर्व विधायक भैयाराम सिन्हा समेत अन्य उनके कार्यकर्ता भी बैठे रहे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनके इस अंदाज का जोरदार अभिवादन किया।

मंत्री अनिला भेड़िया एवं स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव एक अलग गाड़ी में साथ में निकले। यह सभी किसी आयोजन में शामिल होने जा रहे थे। उनके साथ वाहन में भैयाराम सिन्हा भी थे राजनीतिक गलियारे में इस बात की जमकर चर्चा है कि टीएस सिंहदेव जोकि प्रदेश की राजनीति में अपना एक अलग वर्चस्व रखते हैं प्रदेश स्तर पर अनबन की खबरें आती रहती है, ऐसे में बंद गाड़ी में क्या चर्चा हुई। इसको लेकर भी कई कांग्रेस नेताओं के बीच जमकर चर्चा बनी हुई है।

## तीन दिवसीय चित्रकोट महोत्सव आज से, लखमा करेंगे शुभारंभ

**जगदलपुर।** सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेलकूद प्रतियोगिताओं से सराबोर तीन दिवसीय चित्रकोट महोत्सव का शुभारंभ उद्योग, वाणिज्य कर एवं बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री श्री कवासी लखमा मंगलवार को शाम 5 बजे विश्वप्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात के समीप करेंगे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद श्री दीपक बैज करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री लखेश्वर बघेल, स्थानीय विधायक श्री राजमन बेंजाम, संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन, हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री चंदन कश्यप सहित छत्तीसगढ़ अक्षय ऊर्जा विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री मिथिलेश स्वर्णकार, छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री एमआर निषाद, इंद्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री राजीव शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री महेश कश्यप, जगदलपुर महापौर श्रीमती सफीरा साहू, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मालती बैज, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री योगेश बैज, जगदलपुर नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कविता साहू, स्थानीय सरपंच श्रीमती बुटकी कश्यप उपस्थित रहेंगी।

रंगारंग तीन दिवसीय चित्रकोट महोत्सव का समापन गुरुवार 16 फरवरी को होगा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्री दीपक बैज उपस्थित रहेंगे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री लखेश्वर बघेल करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक श्री राजमन बेंजाम, संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन, हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री चंदन कश्यप सहित छत्तीसगढ़ अक्षय ऊर्जा विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री मिथिलेश स्वर्णकार, छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री एमआर निषाद, इंद्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री राजीव शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री महेश कश्यप, जगदलपुर महापौर श्रीमती सफीरा साहू, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मालती बैज, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री योगेश बैज, जगदलपुर नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कविता साहू, स्थानीय सरपंच श्रीमती बुटकी कश्यप उपस्थित रहेंगी।

विश्वप्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात के तट पर महोत्सव के दौरान लगातार तीन दिनों तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेलकूदों की धूम रहेगी। इस दौरान बस्तर अंचल की विभिन्न जनजातीय समूहों के पारंपरिक लोकनृत्यों से लेकर शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत में दक्ष अंचल के प्रतिभावान कलाकारों के साथ ही प्रसिद्ध हस्तियों की कलाएं देखने को भी मिलेंगी। इस वर्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए हास्य कवि पद्मश्री श्री सुरेंद्र दुबे, छत्तीसगढ़ी गायिका आरु साहू, नितिन दुबे व घनश्याम महानंद का छालीवुड गीत संगीत, रविंद्र सोनी का कॉमेडी शो व सामूहिक ओड़िया नृत्य के साथ ही कबड्डी, वालीबाल, पिट्ठुल, रस्साकस्सी, कुर्सीदौड़ और नौकायन आदि प्रतियोगिताएं प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

## विधायक का साढ़े चार वर्ष का कार्यकाल पूर्णतः विकास शून्य रहा : मोहन नाहटा

**नगरी।** भाजपा मंडल नगरी के अध्यक्ष मोहन नाहटा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि विधायक के कांग्रेस विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव जी ने गरीबों के आशियाने जोकि हर एक परिवार का सपना होता है पर बयान देकर अपनी एवं अपने कांग्रेस सरकार की ओछी मानसिकता उजागर कर दी है। इनको जनता की भलाई के बजाए श्रेय की राजनीति से सरोकार है,योजनाओं के नाम पर पीएम सीएम की बात करने वाली विधायक को विभिन्न योजनाओं जैसे,मनरेगा,पंद्रहवें वित्त,जलजीवन मिशन आदि केंद्र द्वारा फंड से चलने वाले राज्य की योजनाओं में पीएम का नाम उल्लेखित करने का सुझाव अपने मुख्यमंत्री को देना चाहिए,ज्ञात हो पूर्व भारतीय जनता पार्टी के डॉ रमन सिंह के शासन में अनवरत प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास बन रहा था, किंतु भूपेश बघेल जी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार छत्तीसगढ़ की जनता को मिलने वाली आवास पर राजनीति के तहत रोक लगा दी है ज्ञात हो पूरे प्रदेश में सोलह लाख आवास लंबित है राज्य सरकार द्वारा अपनी राज्यांश नहीं देने के कारण केंद्र सरकार से प्रदेश सरकार को मिलने वाली लगभग 12,000 करोड़ की राशि भूपेश बघेल सरकार द्वारा लेप्स कर दिया गया है ,ज्ञात हो पूरे देश में छत्तीसगढ़ मात्र उन 2 राज्यों में हैं जिसमें प्रधानमंत्री आवास नहीं बन रहे हैं। कांग्रेस सरकार के वरिष्ठ मंत्री सम्मानीय टी एस सिंहदेव जी ने प्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास को रोकने के ही कारण बकायदा उल्लेख कर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री पद से अपना इस्तीफा दिया है, विधायक महोदया को इस पर भी अपनी टिप्पणी करनी चाहिए। विधायक डॉ.लक्ष्मी ध्रुव का साढ़े चार वर्ष का कार्यकाल पूर्णत: विकास शून्य रहा है ,उनको गिनाने के लिए कोई भी उल्लेखनीय कार्य नहीं है।पंचायतों में भी विकास पूर्णत: ठप्प है,उनको इस प्रकार बयान देने से पूर्व अपने नेताओं द्वारा किए गए छत्तीस घोषणा पत्र का अवलोकन करना चाहिए। अपने वादों पूरा करने के बजाए अंतिम छह माह में भूपेश सरकार जनता को भरमाने की असफल कोशिश में लगी है जिसमें जिसे छत्तीसगढ़ की जनता भली-भांति समझ रही है।

## भाजपा के प्रदर्शन को सिहावा विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव ने बताया नौटंकी

**नगरी।** सिहावा विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पास कांग्रेस के खिलाफकोई मुद्दा ही नही है, इसलिए जनता को गुमराह करने भाजपा के द्वारा प्रदर्शन के नाम पर नौटंकी की जा रही है। आज पूरे छत्तीसगढ़ के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मोर आवास मोर अधिकार के तहत विधायक निवास का घेराव किया गया जो कि हास्यास्पद है। प्रधानमंत्री मोदी का स्वभाव है कि कांग्रेस के हर नीति को बदलना, इसी के तहत पहले इंदिरा आवास के नाम से जाना जाता था जो कि अब इसका नाम बदलकर प्रधानमंत्री आवास कर दिया गया। सभी को इस बात से अवगत होना चाहिए कि पहले प्रधानमंत्री आवास के तहत केन्द्र से 90 प्रतिशत राशि एवं राज्य से 10 प्रतिशत राशि दिया जा रहा था, अब की स्थिति में केन्द्र से 60 प्रतिशत एवं राज्य के द्वारा 40 प्रतिशत राशि दिया जाता है। नाम पीएम आवास दिया गया जबकि 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार के द्वारा दी जा रही तो नाम सिर्फपीएम आवास नही बल्कि पीएम-सीएम आवास कर देना चाहिये। भारतीय जनता पार्टी के लोग बिना सत्ता के छटपटा रहे है इसलिए जनता को दिगभ्रमित करते हुए पीएम आवास देने के लिए आवेदन ले रहे है एवं विधायक निवास का घेराव कर रहे है। भाजपा के पास अब कांग्रेस सरकार से लड़ाई करने का कोई मुद्दा नही बचा है इसलिए जनता को गुमराह करने में उतर आए है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को मालूम ही नही है कि सभी ब्लाकों में प्रधानमंत्री आवास का पैसा आ चुका है। जरूरतमंद लोगों को पहले दिया जायेगा ग्राम सभा में अनुमोदन करके सूची तैयार किया जायेगा।

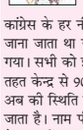

## शासन द्वारा जनहित में लगातार किये जा रहे कार्य: संसदीय सचिव

**राजनांदगांव।** लोक मड़ई के दूसरे दिन आज डोंगरगांव के खेल मैदान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संसदीय सचिव एवं विधायक मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी श्री इंद्रशाह मंडावी ने मुख्य अतिथि की आसंदी से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शासन द्वारा जनहित में लगातार कार्य किये जा रहे हैं। धान खरीदी के लिए किसानों के हित में कार्य किये गए, वहीं नए तहसीलों का निर्माण भी हुआ। शासन द्वारा राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत धान खरीदी की जा रही है, जिससे किसान लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री स्वयं एक किसान हैं और किसानों के सुख-दुख को समझते हैं और लगातार किसानों की भलाई के लिए कार्य कर रहे हैं। शासन द्वारा शिक्षकों की नियुक्ति के साथ ही नियमितीकरण का कार्य भी किया गया। उन्होंने लोक मड़ई के आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री दलेश्वर साहू को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए यहां सभी विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए हैं, सभी इसका लाभ लें।

खुज्जी विधायक श्रीमती छन्नी साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ की कला एवं संस्कृति की धरोहर को बनाये रखने के लिए विविध कार्यक्रम छत्तीसगढ़िया ओलंपिक, तीजा, पोला जैसे आयोजन हो रहे हैं। इसी कड़ी में लोक मड़ई बहुत अच्छा आयोजन है।

उन्होंने लोक मड़ई के लिए सभी को बधाई दी। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री दलेश्वर साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ की अनोखी संस्कृति को संजोए लोक मड़ई के आयोजन में सभी की सहभागिता महत्वपूर्ण है। जनसामान्य को यहां शासन की योजनाओं की जानकारी मिल रही है। उन्होंने इस अवसर पर कार्यक्रम के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अध्यक्ष नगर पंचायत श्री हिरा निषाद, डोंगरगांव जनपद पंचायत के अध्यक्ष श्री टिकेश साहू, जनपद अध्यक्ष डोंगरगढ़ श्री भावेश, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत डोंगरगांव श्री सुयश नाहटा, श्री गुलाब वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

### नागेन्द्र भाजपा नगरीय निकाय प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नियुक्त

**नगरी।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव एवं प्रदेश महामंत्री(संगठन) पवन साय की सहमति से प्रफुल्ल विश्वकर्मा प्रदेश संयोजक भाजपा नगरीय निकाय प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश कार्यसमिति एवं जिला संयोजकों की घोषणा की गई है। इसी कड़ी में भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत नगरी नागेन्द्र शुक्ला को धमतरी जिला के नगरीय निकाय प्रकोष्ठ का जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। श्री शुक्ला को नई जिम्मेदारी मिलने पर पूर्व मंत्री अजय चन्द्राकर,धमतरी विधायक श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू, पूर्व विधायक सिहावा द्वय श्रवण मरकाम,पिंकी शाह,जिला अध्यक्ष ठाकुर शशि पवार,पूर्व जिला अध्यक्ष रामू रोहरा,जिला महामंत्री द्वय प्रकाश बैस, कवींद्र जैन, जिला मंत्री द्वय राजेन्द्र गोलछा, श्रीमती प्रेमलता नागवंशी, वरिष्ठ भाजपा नेता विकल गुप्ता, रवि दुबे, नंद यादव, कमल डागा, रामदयाल साहू, महेन्द्र नेताम, शेखर अडील, डॉ.के.एस.शांडिल्य, मंडल अध्यक्ष गण मोहन नाहटा, अकबर कश्यप,विजय यदु, टेलेश्वर ठाकुर, रामगोपाल साहू आदि ने बधाई दी है।

### शिव महापुराण कथा श्रवण करने पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष

**सक्ती।** छत्तीसगढ़ विधान सभा अध्यक्ष डाक्टर चरणदास महंत शिव महापुराण कथा श्रवण करने पहुंचे तुर्री धाम जहां डॉक्टर चरणदास महंत के द्वारा तुर्री धाम शिव मंदिर में भगवान शिव शंकर का जल अभिषेक पूजा अर्चना कर विधानसभा क्षेत्र सहित छत्तीसगढ़ की सुख शांति के लिए भगवान भोलेनाथ से मांगा आशीर्वाद पूजा अर्चना पश्चात आयोजित शिव महापुराण कथा के वेदव्यास की पूजा अर्चना कर तीसरे दिन की कथा श्रवण करते हुए कहा कि भगवान शिव आशुतोष है और वही विश्व के नाथ भी हैं, कहते हुए उन्होंने सभी कथा श्रवण करने वाले श्रद्धालुओं से कहा कि भगवान भोलेनाथ देवों के देव महादेव हैं और इनकी भक्ति करने वाला व्यक्ति भवसागर से पार हो जाता है और उसे किसी प्रकार की भी ग्रह बाधा छू नहीं सकती आप सभी भगवान भोलेनाथ का कथा श्रवण करें और अपने जीवन को संवारे व्यासपीठ से छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध भागवताचार्य आचार्य राजेंद्र शर्मा ने भगवान आशुतोष की कथा सुनाते हुए सभी श्रद्धालुओं को कहा कि भगवान शिव साक्षात कल्याण के स्वरूप है।

### दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में कांग्रेस की हाथ से हाथ जोड़ो पदयात्रा

**नगरी।** प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशा निर्देशन में सिहावा विधानसभा क्षेत्र की विधायक डॉ.लक्ष्मी ध्रुव के मार्गदर्शन में सिहावा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव में हाथ से हाथ जोड़ो पदयात्रा के माध्यम से गांव तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। इसी के तहत सीतानदी टाइगर रिजर्व क्षेत्र बोराई सेक्टर के ग्राम कारीपारी एवं बुडरा में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेलरगांव के कांग्रेसियों ने हाथ से हाथ जोड़ो पदयात्रा कर ग्रामीण जनों से रूबरू होकर ग्रामीणों की समस्या जानी और प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी दी। सिहावा विधानसभा क्षेत्र के अंतिम गांव बुडरा जहां पर कभी भी कोई निर्वाचित विधायक नहीं पहुंचा था। जहां विधायक डॉ.लक्ष्मी ध्रुव ने पहुंचकर ग्रामीण जनों का हालचाल जाना। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि डॉ.लक्ष्मी ध्रुव पहली विधायक है जो हमारी गांव में आकर हमसे भेंट मुलाकात कर हमारी समस्याओं से रूबरू हो रही हैं। ग्रामीणों ने विधायक महोदया के समक्ष गांव की बुनियादी मांग रखी जिसमें सीसी रोड, पुल-पुलिया, पानी आदि मांगों को रखा।

### भाजपाइयों ने घेरा सिहावा विधायक का निवास

**नगरी।** केन्द्र की मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम आवास योजना के मुद्दे की लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष ठाकुर शशि पवार के नेतृत्व में सिहावा विधानसभा क्षेत्र के चारों मंडल नगरी, बेलरगांव,ककुरेल एवं मगरलोड के भाजपाइयों ने सिहावा की कांग्रेस विधायक का निवास घेरा। प्रदेश भाजपा नेतृत्व के आह्वान पर जिला भाजपा के मार्गदर्शन में मोर आवास मोर अधिकार कार्यक्रम के तहत भाजपाइयों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए विधायक निवास के सामने बैठकर आवास से वंचित क्षेत्र के गरीब लोगो को पीएम आवास दिलाने की मांग की। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने एक स्वर में कहा कि विधायक को क्षेत्र की जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित कर गरीब जनता का आवास नहीं बनवाने के विषय पर संदेश प्रेषित कर क्षेत्र में कितना आवास उनके कार्यकाल बनाया में गया है इसकी जानकारी देनी चाहिए।साथ ही आवास से वंचित लोगो का आवास क्यूं नही बन पाया दे भी बताना चाहिए।

### भाजपा विधायक के रिश्तेदार के घर हुई करोड़ों के चोरी के मामले में पुलिस को सफलता

**दुर्ग।** छत्तीसगढ़ की दुर्ग पुलिस पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक बृजमोहन अग्रवाल के रिश्तेदार पंकज राठी के घर हुई करोड़ों रुपये की चोरी करने वाले गिरोह के मुख्य आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने इस मामले में गिरोह के चार सदस्यों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गोवा से हिरासत में लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से तीन किलो सोना, 15 किलो चांदी समेत छह लाख नगद मिलकर तीन करोड़ की रिकवरी कर ली गई है आरोपियों ने चार अन्य घरों में एक करोड़ से ज्यादा की चोरी करना भी स्वीकार किया है। पुलिस इस मामले में जल्द खुलासा करेगी। पुलिस से मिली जानाकारी के अनुसार चोर गिरोह का मास्टर माइंड नागपुर में चोरी मामले में 12 साल जेल की सजा काटने के बाद बाहर आया और फिर से अपना गैंग बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम देने लगा। मास्टर माइंड साल 2015 में चरोदा स्थित यूनियन बैंक में डकैती में शामिल था।

## भाजपा अध्यक्ष नड्डा के बयान पर कांग्रेस महामंत्री ने किया पलटवार

■ 18 करोड़ युवा मोदी सरकार से रोजगार पाने कर रहे इंतजार: राजेन्द्र साहू

**दुर्ग।** छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार को आराम और भाजपा को काम देने के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के बयान पर प्रदेश कांग्रेस महामंत्री राजेंद्र साहू ने कड़ा प्रहार किया है। राजेंद्र ने कहा कि नड्डा का यह बयान बेहद हास्यास्पद है। हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा भूल चुके भाजपा नेताओं को ऐसी झूठी बयानबाजी करना शोभा नहीं देता । नड्डा पहले यह बताएं कि साढ़े 8 साल के कार्यकाल में मोदी सरकार ने देश के 18 करोड़ युवाओं को रोजगार क्यों नहीं दिया। देश के करोड़ों युवा आज भी नौकरी का इंतजार कर रहे हैं। वादे के मुताबिक मोदी सरकार ने किसानों के लिए ऐसी योजना क्यों नहीं बनाई, जिससे उनकी आय दोगुनी होती। आज भी किसान मोदी सरकार की योजना का इंतजार कर रहे हैं, ताकि उनकी आमदनी दोगुना हो सके।

राजेंद्र ने नड्डा के बयान पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने 15 साल तक भाजपा की रमन सरकार को काम दिया, लेकिन उस दौरान किसान आत्महत्या के लिए मजबूर होते रहे। किसानों को न बढ़ा हुआ समर्थन मूल्य मिला, न वादे के मुताबिक बोनस दिया गया। यहां के युवा रोजगार के लिए तरसते रहे। आदिवासियों की जमीन उद्योगपतियों को दे दी गई। 15 साल के कार्यकाल में रमन सरकार द्वारा की गई लूट को प्रदेश की जनता ने देखा है। राजेंद्र ने कहा कि नड्डा आरक्षण को लेकर कोई बयान क्यों नहीं दे रहे। राज्यपाल ने पहले कहा था कि दो मिनट के भीतर आरक्षण विधेयक पर हस्ताक्षर कर देंगी, लेकिन उन्होंने हस्ताक्षर नहीं किया। बाद में उन्होंने कहा कि मार्च में हस्ताक्षर कर देंगी, लेकिन मार्च से पहले ही उनको हटा दिया गया। अगर अनसुईया उइके मार्च तक राज्यपाल रहती, तो शायद वे वादे के मुताबिक मार्च में आरक्षण विधेयक पर हस्ताक्षर कर देती। लेकिन, शुरू से आदिवासी विरोधी रहे भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें हटा दिया।

राजेंद्र ने कहा कि जिन राज्यों में भाजपा की डबल इंजन सरकार है, उन राज्यों की जनता का बुरा हाल है। उन राज्यों में किसानों की हालत बदतर है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की तारीफकरने वाले नड्डा को यह भी बताना चाहिए कि केंद्र की मोदी सरकार के राज में किसानों की आय घटी है। महंगाई और बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, अनाज, खाद्य पदार्थ, रासायनिक खाद सहित सभी वस्तुओं की कीमत बढ़ने से आम जनता त्रस्त हो चुकी है। नड्डा आखिर किस मुंह से कह रहे हैं कि मोदी सरकार अच्छा काम कर रही है।

## प्रदेश सरकार के कार्य बेमिसाल : जितेंद्र साहू

**दुर्ग।** दुर्ग ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र के विभिन्न गांव गांव में हाथ से हाथ जोड़ो पद यात्रा चलाया जा रहा है।यात्रा प्रभारी पीसीसी महासचिव् जितेंद्र साहू के सयोजन में ग्राम तिरगा, झोला, निकुम, आमटी, मासाभाट, आलबरस, खाडा, रूदा, भोथली, अछोटी में यात्रा पहुँची।श्री साहू ने इस अवसर पर कहा कि छग के काँग्रेस सरकार के साढ़े चार साल की उपलब्धि बेमिसाल है। गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने अपने विधानसभा मे विकास कार्य करवाने के साथ ही आम जनता को पारिवारिक रूप से जोड़ने का काम किया हैं। जिसका लाभ निश्चित रूप से काँग्रेस को मिलेगा।इस अभियान के तहत गांव गांव के घर घर मे जाकर हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत ग्रामीणो की समस्या सुनकर त्वरित ढंग से

उसका समाधान भी किया जा रहा है।इस महाअभियान में छग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव जितेंद्र साहू, नंद कुमार सेन अध्यक्ष केश शिल्प बोर्ड छग शासन, जिला पंचायत अध्यक्ष शालिनी रिवेंद्र यादव, जनपद पंचायत अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख, जिला अध्यक्ष दुर्ग ग्रामीण दिवाकर गायकवाड़, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत दुर्ग झमित गायकवाड, जिला सदस्य एवं सभापति योगिता चंद्राकर, जनपद सदस्य रूपेश देशमुख, तारकेश्वर चंद्राकर, प्रदेश किसान कांग्रेस के उपाध्यक्ष कृष्णा देवांगन, अध्यक्ष सेवा सहकारी समिति कुथरेल शिवनारायण दिक्षीवार, भरत चंद्राकर, धरमदास साहू, पुरूषोत्तम चौधरी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष डॉ. जेडी चेलक शामिल हुए।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## राहुल जवाब नहीं दिया तो गंवानी पड़ जाएगी लोकसभा सदस्यता

**नईदिल्ली।** लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण के दौरान की गई टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी विवादों में घिर गए हैं। लोकसभा सचिवालय की ओर से राहुल गांधी को नोटिस जारी कर 15 फरवरी तक जवाब मांगा गया है। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया था। निशिकांत दुबे ने कहा कि बिना स्पीकर को नोटिस दिए प्रधानमंत्री पर इस तरह के आरोप नहीं लगाए जा सकते। नोटिस में हमने कहा है कि 15 फरवरी तक राहुल गांधी अपने बयान का सबूत पेश करें। यदि वह ऐसा करने में असमर्थ है तो उन्हें क्षमा याचना करनी होगी। अगर उन्होंने माफी भी नहीं मांगी तो उन्हें अपनी लोकसभा सीट गंवानी पड़ेगी। अध्यक्ष को किसी भी सदस्य को सदन से निष्कासित या निलंबित करने का अधिकार है। अगर कोई स्पीकर के आदेश की अवहेलना करता है तो उसे निलंबित किया जा सकता है।

## नजीर की राज्यपाल नियुक्ति पर भिड़े भाजपा और कांग्रेस

**नईदिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एस अब्दुल नजीर को राज्यपाल नियुक्त किये जाने को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने सामने है। कांग्रेस ने इस तरह की नियुक्तियों को लेकर मोदी सरकार की आलोचना की और इसके खिलाफ भाजपा के दिवंगत नेता अरूण जेटली की टिप्पणियों का जिक्र किया। साथ ही, इस कदम को न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए एक ''गंभीर खतरा'' करार दिया। वहीं, भाजपा ने कहा कि इस तरह की नियुक्तियों के उदाहरण अतीत में भी देखने को मिले हैं और संविधान द्वारा इस पर पाबंदी नहीं लगायी है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्विटर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री अरूण जेटली का एक वीडियो संलग्न (टैग) किया, जिसमें भाजपा के दिवंगत नेता को 2012 में यह कहते सुना जा सकता है कि 'सेवानिवृत्ति से पूर्व के फैसले सेवानिवृत्ति के बाद पद पाने की आकांक्षा से प्रभावित होते हैं।' रमेश ने कहा, 'इस बारे में पर्याप्त सबूत पिछले तीन-चार वर्षों में निश्चित रूप से मिला है।'

## त्रिपुरा में जरूरी है डबल इंजन की सरकार : माणिक साहा

**अगरतला।** त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अपने आखिरी चरण में है। सत्तारूढ़ भाजपा के अलावा विपक्षी दल भी लगातार चुनाव प्रचार में अपना दम दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। दोबारा सत्ता में वापसी के लिए भाजपा पूरी मेहनत भी कर रही है। इन सब के बीच त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने न्यातचीत में बताया है कि आखिर राज्य में डबल इंजन की सरकार की जरूरत क्यों है। अपने बयान में माणिक साहा ने कहा कि अगर एक ही पार्टी की सरकार होती है तो कुछ भी चीज़ मांगने में आसानी हो जाती है। इसके साथ ही साहा ने कहा कि मैंने पहले भी देखा था कि केंद्रीय मंत्रियों से मिलने में बहुत मुश्किल होती थी। अगर एक ही सरकार होगी तो समय भी तुरंत मिल जाता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ऐसा पहले कभी नहीं था और जनता इसको समझती भी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट (सरकार) को लोकतांत्रिक तरीके से हटाना भारत के इतिहास में ऐसा शायद पहली बार हुआ है।

## वाम-कांग्रेस त्रिपुरा में पुरानी पेंशन योजना लागू करेगी

**अगरतला।** मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता प्रकाश करात ने कहा है कि त्रिपुरा में सत्ता में आने पर वाम-कांग्रेस गठबंधन सरकार सबसे पहले पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने के बारे में फैसला करेगी। पश्चिम त्रिपुरा जिले के खयेरपुर में रविवार को एक रैली को संबोधित करते हुये करात ने कहा, ''त्रिपुरा में जब तक वाम मोर्चा की सरकार सत्ता में थी, प्रदेश में नयी पेंशन योजना लागू नहीं की गयी।'' उन्होंने कहा, ''यह भाजपा ही थी, जिसने 2018 में सत्ता में आने पर राज्य में नयी पेंशन योजना को लागू किया।'' माकपा पोलित ब्यूरो के सदस्य ने कहा कि सत्ता में आने के बाद पुरानी पेंशन योजना बहाल करने के बारे में वाम-कांग्रेस गठबंधन सरकार पहला फैसला लेगी। उन्होंने कहा, ''हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की जीत हुयी और उसने जैसा वादा किया था, राज्य में कर्मचारियों के लिये पुरानी पेंशन योजना को दोबारा बहाल कर दिया।

## जेल में प्रस्ताव मिला था, मैंने समझौता नहीं किया : देशमुख

**नागपुर।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने रविवार को दावा किया कि उन्हें जेल में ऐसा प्रस्ताव मिला था, जिसे यदि मान लेता तो महा विकास आघाड़ी के नेतृत्व वाली सरकार काफी पहले गिर गई होती। देशमुख धनशोधन मामले में 13 महीने जेल में थे और वह जमानत पर हैं। देशमुख को नवंबर 2021 में गिरफ्तार किया गया था और उन्हें पिछले साल 28 दिसंबर को जमानत पर रिहा किया गया। देशमुख ने वर्धा के सेवाग्राम में नदी एवं वन संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाली ग्राम सभाओं एवं गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के सामूहिक वन अधिकारों के राज्य-स्तरीय सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने दावा किया, ''मुझे जेल में प्रस्ताव मिला था, जिसे मैंने खारिज कर दिया। अगर मैं समझौता कर लेता तो महा विकास आघाड़ी के नेतृत्व वाली सरकार ढाई साल पहले ही गिर गई होती, लेकिन मैं न्याय में विश्वास करता हूं, इसलिए मैंने रिहा होने का इंतजार किया।

**एरो इंडिया 2023 का शानदार आगाज, नए भारत के नए दृष्टिकोण को दर्शाता है एयरो इंडिया**

# 'एरो इंडिया' भारत की नई ताकत का प्रदर्शन : प्रधानमंत्री

**बेंगलरू।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज भारत की सबसे बड़ी एरोस्पेस और रक्षा प्रदर्शनी, 'एरो इंडिया' के 14वें संस्करण का सोमवार को उद्घाटन किया। इस भव्य आयोजन को देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोग पहुँचे हैं। आयोजन के दौरान जब वायुसेना के विमानों ने आकाश में अपनी शक्ति और प्रतिभा का प्रदर्शन किया तो लोग देखते ही रह गये। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मौके पर कहा कि 'एरो इंडिया' भारत की नई ताकत व क्षमताओं को परिलक्षित करता है। उन्होंने कहा, 'एरो इंडिया' आज सिर्फ एक शो नहीं है, बल्कि भारत के आत्मविश्वास का प्रतिबिम्ब भी है। उन्होंने कहा कि भारत आज न केवल एक बाजार है बल्कि कई देशों के लिए संभावित रक्षा साझेदार भी है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का 'नया भारत' न तो कोई अवसर गंवाएगा और न ही उसकी मेहनत में कोई कमी आएगी।

हम आपको बता दें कि इस शो से मेक इन इंडिया अभियान को बल मिलने के साथ ही घरेलू विमानन क्षेत्र को एक नया प्रोत्साहन मिलेगा। इस पांच दिवसीय कार्यक्रम में एरोस्पेस और रक्षा कंपनियों की एक बड़ी प्रदर्शनी और व्यापार मेले के साथ-साथ विमान एवं हेलीकाप्टरों द्वारा हवाई प्रदर्शन भी किया जाएगा। हम आपको बता दें कि बेंगलुरु के बाहरी इलाके में वायुसेना के यालहंका सैन्य अड्डे के परिसर में पांच-दिवसीय इस प्रदर्शनी में 809 रक्षा कंपनियों के अलावा 98 देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

यह आयोजन सैन्य विमानों, हेलीकाप्टरों, रक्षा उपकरणों और नये युग के एवियोनिक्स के निर्माण के लिए भारत को एक उभरते हुए केंद्र के रूप में प्रदर्शित करेगा। एयरो इंडिया में लगभग 250 बिजनेस-टू-बिजनेस समझौते होने की उम्मीद है, जिससे लगभग 75,000 करोड़ रुपये के निवेश का मार्ग प्रशस्त होने का

अनुमान है। एयरो इंडिया के 14वें संस्करण का विषय द रनवे टू ए बिलियन अपॉर्चुनिटीज है। इसका उद्देश्य एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में देश की क्षमताओं में वृद्धि को प्रदर्शित कर एक मजबूत और आत्मनिर्भर नये भारत के उदय का प्रचार करना है। प्रदर्शनी में सरकार के मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड विजन के अनुरूप स्वदेशी उपकरणों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने और विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि एयरो इंडिया- 2023 देश की विनिर्माण क्षमता और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा परिकल्पित आत्मनिर्भर भारत को साकार करने की दिशा में हुई प्रगति का उल्लेख करेगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन एयरोस्पेस और विमानन क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि एयरो इंडिया भारत में एयरोस्पेस क्षेत्र के विस्तृत विकास में एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और रक्षा निर्माण में देश के आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य को साकार करने में मदद करेगा। रक्षा मंत्री ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि बेंगलुरु एयरोस्पेस क्षेत्र के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभरेगा। हमारा उद्देश्य एक जीवंत रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।''

### एयरो इंडिया 2023 में पीएम मोदी ने जारी किया स्मारक डाक टिकट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कर्नाटक के बेंगलुरु में एयरो इंडिया 2023 में स्मारक डाक टिकट जारी किया। पीएम मोदी ने कहा, बेंगलुरु का आसमान न्यू इंडिया के सामर्थ्य का गवाह बन रहा है। बेंगलुरु का आसमान इस बात की गवाही दे रहा है कि नई ऊंचाई ही नए भारत की सच्चाई है। आज देश नई ऊंचाइयों को छू रहा है और उसे पार भी कर रहा है।

उन्होंने आगे कहा, एयरो इंडिया भारत की बढ़ती क्षमताओं का उदाहरण है। यहां करीब 100 देशों की मौजूदगी बताती है कि दुनिया का भरोसा भारत पर बढ़ा है। भारत और दुनिया के 700 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। इसने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। एयरो इंडिया नए भारत के नए दृष्टिकोण को दर्शाता है। एक समय था जब इसे महज एक शो समझा जाता था। पिछले कुछ वर्षों में देश ने इस धारणा को बदल दिया है।

पीएम मोदी ने ये भी कहा, आज यह सिर्फ दिखावा नहीं है बल्कि भारत की ताकत भी है। यह भारतीय रक्षा उद्योग और आत्मविश्वास के दायरे पर केंद्रित है। आज भारत दुनिया में रक्षा कंपनियों के लिए सिर्फ एक बाजार नहीं है। भारत आज एक संभावित रक्षा भागीदार है। ये पार्टनरशिप उन देशों के साथ भी है जो रक्षा क्षेत्र में काफी आगे हैं, ऐसे देश जो अपनी रक्षा जरूरतों के लिए एक भरोसेमंद साथी की तलाश में हैं।

# राज्यसभा 13 मार्च तक के लिए स्थगित

■ अडाणी मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने जमकर की नारेबाजी

**नईदिल्ली।** अडाणी मामले को लेकर सोमवार को भी राज्यसभा की कार्यवाही हंगामेदार रही। विपक्षी सांसदों के हंगामे और नारेबाजी के कारण राज्यसभा की कार्यवाही को दो बार के स्थगन के बाद अगले महीने 13 तारीख तक के लिए स्थगित कर दी गई। सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही जैसे ही शुरू हुई विपक्षी सांसदों ने हंगामा मचाना शुरू कर दिया। इसके बाद सभापति जगदीप धनखड़ को सदन की कार्यवाही को स्थगित करनी पड़ी। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर भी जबरदस्त तरीके से नारेबाजी की। विपक्षी सांसद अडाणी समूह के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए जेपीसी गठित किए जाने की मांग पर अड़े रहे। बजट सत्र का दूसरा भाग 13 मार्च से शुरू होगा। हंगामा देख जगदीप धनखड़ ने कहा कि जानबूझकर अड़ंगा लगाया जा रहा है और यह सदन चलाने का तरीका नहीं है। हम पहले ही काफी समय बर्बाद कर चुके हैं। यदि सदन को इस तरह के व्यवधान के अधीन किया जाता है, तो मैं लोगों की अपेक्षा के अनुसार कार्य करने के लिए विवश हो जाऊंगा। उन्होंने खड़गे से कहा कि विपक्ष के नेता, आपने इतने शब्दों में संकेत दिया है कि अध्यक्ष दबाव में काम कर रहे हैं। ये शब्द विलोपित हैं। आप सदन के पटल पर बने रहने के अपने अधिकार का हनन कर रहे हैं। हर बार आप कह रहे हैं कि अध्यक्ष दबाव में काम कर रहे हैं। धनखड़ ने हंगामा कर रहे सदस्यों से सदन चलने देने की बार-बार अपील की। अपील का असर नहीं होते देख उन्होंने 13 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी।

# विपक्ष पर सदन नहीं चलने देने का आरोप

## पीयूष गोयल ने माफी की मांग की

**नईदिल्ली।** संसद का बजट सत्र चल रहा है। राज्यसभा में आज जबरदस्त तरीके से हंगामा देखने को मिला। हंगामे की वजह से राज्यसभा की कार्यवाही 13 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई। अडाणी मुद्दे को लेकर विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जबरदस्त तरीके से नारेबाजी की। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्ष पर सदन को नहीं चलने देने का आरोप लगाया है। अपने बयान में पीयूष गोयल ने कहा कि जिस तरह से सदन में आकर विपक्ष हंगामा कर के कार्यवाही नहीं चलने दे रही ये बहुत ही गलत है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जिन्होंने चेयर का अपमान किया, नियम तोड़े उन्हें माफी मांगनी चाहिए। पीयूष गोयल ने यह भी कहा कि इसके बाद वे अपना प्रस्ताव ले आए, सदन अपने विवेक से उसपर निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि बार-बार अनुरोध करने के बावजूद विपक्ष ने सदन को चलने नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगया कि विपक्ष सदन न चलने देने का फैसला कर के ही सदन में आते हैं। राज्यसभा में सदन के नेता ने कहा कि दुख होता है जब सदस्य बहुत ही गंभीर विषय उठाना चाहें लेकिन उन्हें मौका नहीं मिले। ये सदस्यों के अधिकारों का भी उल्लंघन है। उल्लेखनीय है कि संसद के बजट सत्र के पहले चरण का आज आखिरी दिन था। सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत 13 मार्च को होगी। एक बार के स्थगन के बाद 11:50 बजे बैठक शुरू होने पर भी सदन में हंगामा जारी रहा और सत्ता पक्ष ने एक बार फिर अडाणी समूह से जुड़े मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति गठित करने और रजनी पाटिल का निलंबन वापस लेने की मांग की।

खेल
प्रमुख समाचार

## भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट की जगह में बदलाव

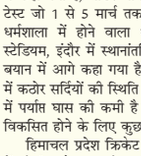

**नई दिल्ली।** भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट मैच अब इंदौर के होल्कर स्टेडियम में 1 से 5 मार्च के बीच खेला जाएगा। इससे पहले इसे धर्मशाला में खेला जाना था। हालांकि बीसीसीआई ने आउटफील्ड से जुड़ी दिक्कतों की वजह से इसे धर्मशाला से स्थानांतरित करने का फैसला किया।बीसीसीआई की ओर से जारी बयान में कहा गया है, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट जो 1 से 5 मार्च तक एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला में होने वाला था, वो अब होल्कर स्टेडियम, इंदौर में स्थानांतरित कर दिया गया है। बयान में आगे कहा गया है कि क्षेत्र (धर्मशाला) में कठोर सर्दियों की स्थिति के कारण आउटफील्ड में पर्याप्त घास की कमी है और इसे पूरी तरह से विकसित होने के लिए कुछ और समय चाहिए।

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने 2022 में श्रीलंका के साथ टी20 सीरीज के मैच बाद से एक भी अंतरराष्ट्रीय मुकाबले की मेजबानी नहीं की है। यहां एकमात्र टेस्ट मैच साल 2017 में खेला गया था। यह मैच भी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का था, जिसे भारत ने 8 विकेट से जीता था। दूसरी ओर इंदौर होल्कर स्टेडियम ने बांग्लादेश के खिलाफ 2019 में आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी की थी। यहां हाल ही में मध्य प्रदेश और बंगाल के बीच रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल मैच का आयोजिन किया गया था। इस मैच में शुरुआत में तेज गेंदबाजों को थोड़ी घास होने से फायदा मिला था, लेकिन जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, स्पिनर हावी नजर आए। 17 फरवरी से शुरू होने वाला दूसरा टेस्ट दिल्ली में खेला जाना है। इसके बाद दोनों टीमों को एक बड़ा ब्रेक मिलने वाला है। तीसरा टेस्ट 1 मार्च से शुरू होगा। इसके बाद सीरीज का चौथा और आखिरी टेस्ट अहमदाबाद में 9 मार्च से खेला जाएगा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## सेंसेक्स 250 निफ्टी 85 अंकों की गिरावट के साथ बंद

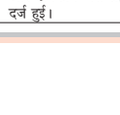

**नईदिल्ली।** कमजोर ग्लोबल संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली देखने को मिली है। आज के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों इंडेक्स में गिरावट रही है। सेंसेक्स 250 अंकों से ज्यादा कमजोर हुआ है। बीएसई सेंसेक्स 250.86 अंक यानी 0.41 फीसदी फिसलकर 60,431.84 अंक के स्तर पर क्लोज हुआ। इसी तरह निफ्टी 85.60 अंक यानी 0.48 फीसदी की गिरावट के साथ 17,770.90 अंक के स्तर पर क्लोज हुआ। सेक्टोरल इंडेक्स में आज सबसे अधिक गिरावट आईटी, टेक, रियल्टी और कमोडिटी शेयरों में देखने को मिली। साथ ही फार्मा, बैंकिंग और टेलीकम्युनिकेशंस शेयरों में भी बिकवाली का माहौल रहा। इसके अलावा जापान और हांगकांग जैसे प्रमुख बाजारों में भी गिरावट दर्ज हुई।

## शेयर बाजार की पूंजी के लिहाज से भारत फिर पांचवें स्थान पर पहुंचा

**नई दिल्ली।** अदाणी समूह के शेयरों की बिकवाली के दौरान फ्रांस से कुछ समय के लिए पिछड़ने के बाद बाद भारत ने मूल्य के हिसाब से दुनिया के शीर्ष इक्विटी बाजारों में पांचवें स्थान पर फिर से कब्जा कर लिया है। ब्लूमबर्ग की ओर से संकलित आंकड़ों के अनुसार, भारत का बाजार पूंजीकरण शुक्रवार को 3.15 ट्रिलियन डॉलर था, जो फ्रांस से अधिक है। सूची में ब्रिटेन सातवें स्थान पर है। इस सूची में प्रत्येक देश में प्राथमिक लिस्टिंग वाली कंपनियों के संयुक्त मूल्य को दर्शाया जाता है। आय वृद्धि के परिदृश्य से दक्षिण एशियाई देश के शेयरों में मजबूती आई है। जिन्होंने पिछले दो वर्षों से अधिकांश वैश्विक प्रतिस्पर्धियों से बेहतर प्रदर्शन किया है। हालांकि भारत के बाजार का कुल मूल्य 24 जनवरी की तुलना में अब भी लगभग 6% कम रहा।

## टाटा ग्रुप की तिकड़ी से मिलेगी रिलायंस को कड़ी टक्कर

**नई दिल्ली।** दुनिया में मंदी की आशंका दिन ब दिन बढ़ती जा रही है लेकिन देश का सबसे बड़ा औद्योगिक घराना टाटा ग्रुप इस बार रेकॉर्ड ग्रोथ की तरफ बढ़ रहा है। ग्रुप की लिस्टेड और अनलिस्टेड कंपनियां इस फाइनेंशियल ईयर में 20 फीसदी की रफ्तार से ग्रोथ कर रही हैं। टाटा ग्रुप ने अपनी पुराने और नए बिजनस में अगला पांच साल में 90 अरब डॉलर के भारीभरकम निवेश की योजना बनाई है। कंपनी के नए बिजनस में ईवी, बैटरीज, रिन्यूएबल्स, 5जी, प्रोसिशन इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर शामिल है। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का कहना है कि जल्दी ही टाटा स्टील और टाटा मोटर्स का मार्केट कैप ग्रुप की आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के बराबर पहुंच जाएगा। यानी आने वाले दिनों में मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को टाटा ग्रुप की तीन-तीन कंपनियों से मुकाबला करना पड़ सकता है।

## फाइनेंशियल टाइम्स की रैंकिंग में आईएसबी शीर्ष पर

**हैदराबाद।** फाइनेंशियल टाइम्स ग्लोबल एमबीए-2023 रैंकिंग में भारतीय बिजनेस स्कूलों में इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) शीर्ष पर रहा है। हालांकि, इस वैश्विक सूची में आईएसबी इस साल 32वें स्थान से फिसलकर 39वें स्थान पर आ गया है। वैश्विक रैंकिंग में अहमदाबाद, बेंगलुरु, कलकत्ता, इंदौर और लखनऊ के भारतीय प्रबंध संस्थान को भी जगह मिली है। 'फाइनेंशियल टाइम्स' की ओर से रविवार को जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस साल रैंकिंग में आईआईएम-अहमदाबाद की स्थिति सुधरी है और वह 2022 के 62वें से 51वें स्थान पर आ गया है। हालांकि, जब देश के बिजनेस स्कूलों (बी-स्कूल) की बात आती है, तो आईएसबी पहले स्थान पर कायम है। वैश्विक स्तर पर बिजनेस स्कूलों में आईएसबी शीर्ष 50 में शामिल एकमात्र भारतीय बिजनेस स्कूल है। एशिया में यह छठे स्थान पर है।

# महंगाई अभी भी चिंता की वजह

**सतीश सिंह**

महंगाई में आंशिक कमी के बावजूद मौद्रिक समीक्षा में भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की है। उपभोक्ता मूल्य पर आधारित महंगाई दर दिसंबर में घटकर 5.72 प्रतिशत रह गयी, जो नवंबर में 5.88 प्रतिशत थी। अक्टूबर में यह 6.77 प्रतिशत और सितंबर में 7.41 प्रतिशत रही थी। अभी यह रिजर्व बैंक द्वारा तय महंगाई दर की ऊपरी सीमा छह प्रतिशत से नीचे है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई भी दिसंबर में घटकर 4.95 प्रतिशत पर आ गयी। उल्लेखनीय है कि मई में यह 15.88 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गयी थी। रिजर्व बैंक अमूमन अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की नीतियों का अनुसरण करता है।

अमेरिका में नवंबर में महंगाई दर 7.1 प्रतिशत रही, जबकि मई में यह 8.6 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गयी थी। चूंकि अमेरिका में महंगाई की ऊपरी सहनशीलता सीमा दो प्रतिशत है, इसलिए वहां महंगाई को बेकाबू माना जा रहा है। इसी कारण फेडरल रिजर्व ने हाल में फिर से नीतिगत दर में 25 आधार अंकों की वृद्धि की है, जिससे नीतिगत दर 4.50 से बढ़कर 4.75 प्रतिशत हो गयी है। फेडरल रिजर्व बैंक ने अब तक नीतिगत दरों में 450 आधार अंकों की वृद्धि की है।

बैंक ऑफ कनाडा ने भी विगत दिनों नीतिगत दर में वृद्धि की है, जिससे यह 4.5 प्रतिशत हो गयी है। यह बैंक इस दर में 12 महीने से कम समय में आठ बार वृद्धि कर चुका है। ब्रिटेन के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में वहां उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 11.1 प्रतिशत हो गयी, जो 1981 के बाद सबसे अधिक है। हाल में

बैंक ऑफ इंग्लैंड ने नीतिगत दर में 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी की, जिससे यह चार प्रतिशत हो गयी है।

यह 2008 के बाद सर्वाधिक है। उल्लेखनीय है कि यह बैंक महंगाई पर काबू करने के लिए बीते महीनों में नीतिगत दर में 10 बार इजाफा कर चुका है। भारतीय रिजर्व बैंक ने मई, 2022 से रेपो दर बढ़ाना शुरू किया था। उस वक्त यह चार प्रतिशत थी। तीन मई को रेपो दर में 0.40 प्रतिशत, आठ जून को 0.50 प्रतिशत, अगस्त में 0.50 प्रतिशत, सितंबर में 0.50 प्रतिशत, दिसंबर में 0.35 प्रतिशत और अब आठ फरवरी, 2023 को 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गयी, जिससे यह 6.50 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गयी है।

रेपो दर में बढ़ोतरी से बैंक ऋण दर में इजाफा होना लाजिमी है, जिससे कर्जदारों को अधिक किस्त एवं ब्याज का भुगतान करना होगा। मसलन, अगर किसी ने 20 साल के लिए 7.90 प्रतिशत की ब्याज दर से 30 लाख रुपये का आवास ऋण लिया है, तो ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़त से उसे 467 रुपये की अधिक मासिक किस्त के हिसाब से 20 साल में 1.13 लाख रुपये अधिक भुगतान करना होगा।

महंगाई रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित छह प्रतिशत की अधिकतम दर से जरूर नीचे आ गयी है, लेकिन केंद्रीय बैंक अभी भी महंगाई को सबसे बड़ा खतरा मान रहा है। वैसे भारत अभी भी महंगाई और विकास के मोर्चे पर दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से बेहतर स्थिति में है। पर रेपो दर को ज्यादा बढ़ाने से विकास का मार्ग अवरुद्ध हो सकता है क्योंकि उधारी लागत बढ़ने से ऋण की मांग कम हो सकती है,

जिससे आर्थिक गतिविधियां धीमी हो सकती हैं और विकास की गति में कमी आ सकती है। बहरहाल, रेपो दर में वृद्धि से बैंक ऋण जरूरत को पूरी करने के लिए छोटे निवेशकों से जमा लेने की तरफ ध्यान दे रहे हैं और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए उन्हें जमा ब्याज दरों में इजाफा करना पड़ रहा है। कुछ बैंक बॉन्ड के जरिये भी जमा आकर्षित कर रहे हैं। वैसे इससे बैंकों के मुनाफे में कमी आ सकती है।

रिजर्व बैंक की वित्तीय स्थायित्व रिपोर्ट के अनुसार, 16 दिसंबर को समाप्त पखवाड़े में जमा में वृद्धि की दर पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 9.4 प्रतिशत बढ़ी है, जबकि पिछले पखवाड़े की तुलना में यह 9.9 प्रतिशत अधिक है।

# जातिगत राजनीति की मानसिकता से कब उबरेंगे हम!

**गिरीश्वर मिश्र**

लोकतंत्र की व्यवस्था में राजनीति की संस्था समाज की उन्नति के लिए एक उपाय के रूप में अपनाई गई। इसलिए सिद्धांततः उसकी प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी जनता और देश के साथ ही बनती है। दुर्भाग्यवश दलगत राजनीति के चलते एक-दूसरे के साथ उठने वाली वर्चस्व की तीखी प्रतिस्पर्धा के बीच नेतागण राजनीति के इस बड़े प्रयोजन से आंख मूंद लेते हैं।



दूसरी ओर वे ऐसे मुद्दों और प्रश्नों को लेकर चिंताओं और विमर्शों को जीवित करने में कोई कसर नहीं छोड़ते जिनके सहारे उनके अपने पक्ष की कुछ भी पुष्टि होती दिखती है या फिर मीडिया में चर्चा के बीच बने रहने के लिए जगह मिल जाती है। इस सिलसिले में ताजी हलचल जाति की प्रतिष्ठा को लेकर मची हुई है। हमारे राजनेता जाति को लेकर बड़े ही संवेदनशील रहते हैं क्योंकि वे एक ओर जाति का विरोध करते नहीं थकते क्योंकि वह विषमताओं का कारण मानी जाती है, दूसरी ओर एक सामाजिक समस्या के रूप में जाति का भरपूर विरोध किया जाता है। पर यह बात वे सिर्फ सिद्धांत में ही स्वीकार करते हैं। व्यवहार के स्तर पर जमीनी हकीकत में वे जाति को एक राजनीतिक हथियार की तरह से इस्तेमाल करते हैं। वे जानते हैं कि चुनाव में वोट उसी के आधार पर बटोरना होगा। विचार और व्यवहार की यह कठिन दुविधा अब देश की नियति हो चुकी है। यह एक ऐसी खाई है जिसे भारतीय राजनीति पार करने या पाटने के लिए अपने को तैयार नहीं कर पाती। ऐसे में जातिविरोधी जाति की जयकार करते भी नहीं अघाते। उनका असमंजस यही है कि जाति ठीक तो नहीं है पर जाति जाए भी नहीं और इस तरह जाति-विरोध और जाति-सुरक्षा दोनों पर एक ही वक्ता सजधज कर मंच पर बैठे मिलते हैं। जाति को आसानी से %धर्म% से जोड़ दिया जाता है, फिर जाति और वर्ण को इच्छानुसार मिला दिया जाता है और उसे पाप मानते हुए अपनी सुविधानुसार किसी के भी ऊपर ठीकरा फोड़ा जाता है।

यह कहानी जब तब दुहराई जाती रहती है, खास तौर पर तब जब हाथ में कुछ नहीं रहता और चुनाव आदि की आहट के बीच बढ़ते वैचारिक शून्य को भरने की उतावली रहती है। इस बीच गोस्वामी बाबा तुलसीदास पर हाथ साफ किया जा रहा है। राजनीतिक जनों को मीडिया में भी सनसनी के नाते अपनी व्याख्या-कुव्याख्या देने का अवसर मिलता है। इन सबके बीच अभिव्यक्ति की आजादी अज्ञान पर टिके वैचारिक प्रदूषण का एक जरिया भी बनती जा रही है। व्यक्ति के रूप जो कोई कुछ करना और कहना चाहे उसके लिए वह जरूर स्वतंत्र है लेकिन यह चिंता का विषय है कि आज हवा-हवाई बात करना एक राजनीतिक शगल होता जा रहा है। गैरजिम्मेदार, तथ्यहीन बयानबाजी करते रहना राजनीति के खिलाड़ियों का जन्मजात अधिकार जैसा होता जा रहा है।

# पूर्व न्यायाधीश को राज्यपाल बनाने पर विरोध क्यों?

**नीरज कुमार दुबे**

उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एस अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश का राज्यपाल बनाये जाने पर विपक्ष भड़क गया है। हालांकि ऐसा नहीं है कि पहली बार किसी पूर्व न्यायाधीश को राज्यपाल बनाया गया है। देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों और शीर्ष न्यायालय में सेवाएं दे चुके न्यायाधीशों को राज्यपाल बनाया जाता रहा है। यहां तक कि भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश तक राज्यपाल बनाये जा चुके हैं, ऐसे में सवाल उठता ही है कि अब ऐसा क्या हो गया कि जस्टिस नजीर के विरोध में आवाज बुलंद की जा रही है। न्यायाधीश पद पर रहते हुए कोई भी व्यक्ति तमाम मुकदमों पर फैसले सुनाता है। हर फैसला किसी एक के पक्ष में और दूसरे के विपक्ष में होता ही है। क्या हम न्यायाधीशों का आकलन इस आधार पर करेंगे कि उन्होंने हमारे से जुड़े किसी मुकदमे पर क्या फैसला दिया था? किसी भी न्यायाधीश को फैसला करते समय भावनाएं नहीं सबूतों पर ध्यान देना होता है। न्यायाधीशों को संविधान और कानून द्वारा तय किये मार्ग के आधार पर ही फैसला सुनाना होता है, ऐसे में कई फैसले ऐसे हो सकते हैं जो हमारे मन मुताबिक नहीं हों। अगर कोई फैसला हमारे मन मुताबिक नहीं है तो क्या हम भारत की न्यायपालिका पर सवाल उठा देंगे?

जस्टिस नजीर के सुप्रीम कोर्ट में लगभग छह साल के कार्यकाल को भी देखें तो इस दौरान उन्होंने तमाम बड़े फैसले दिये लेकिन कुछ लोगों की गाड़ी क्यों सिर्फ अयोध्या विवाद, ट्रिपल तलाक और कुछ अन्य मामलों पर ही अटक गयी है? जिस तरह से भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई को राज्यसभा में राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत करने पर विपक्ष ने हंगामा किया था और अब जस्टिस नजीर को राष्ट्रपति द्वारा आंध्र प्रदेश का राज्यपाल मनोनीत किये जाने पर हंगामा किया जा रहा है, क्या वह यह नहीं दर्शाता कि विपक्ष आज भी अयोध्या विवाद का समाधान निकल जाने की बात को पचा नहीं पाया है? सवाल उठता है कि क्या जस्टिस नजीर पर हो रहे हमले का मुख्य कारण अयोध्या विवाद ही है? सवाल यह भी उठता है कि जब कांग्रेस ने न्यायाधीश पद पर रहे लोगों को राज्यपाल बनाया, उन्हें विभिन्न आयोगों का चेयरमैन बनाया या उनकी योग्यता अनुरूप उन्हें ऐसे पदों पर बिठाया जहां उनके अनुभव का लाभ देश को मिल सके तब क्यों उसमें कुछ भी संविधान विरुद्ध नहीं था लेकिन जब



**जस्टिस नजीर के सुप्रीम कोर्ट में लगभग छह साल के कार्यकाल को भी देखें तो इस दौरान उन्होंने तमाम बड़े फैसले दिये लेकिन कुछ लोगों की गाड़ी क्यों सिर्फ अयोध्या विवाद, ट्रिपल तलाक और कुछ अन्य मामलों पर ही अटक गयी है? जिस तरह से भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई को राज्यसभा में राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत करने पर विपक्ष ने हंगामा किया था और अब जस्टिस नजीर को राष्ट्रपति द्वारा आंध्र प्रदेश का राज्यपाल मनोनीत किये जाने पर हंगामा किया जा रहा है, क्या वह यह नहीं दर्शाता कि विपक्ष आज भी अयोध्या विवाद का समाधान निकल जाने की बात को पचा नहीं पाया है?**

वर्तमान सरकार ऐसा कर रही है तो वह संविधान विरुद्ध कैसे हो गया?

जरा कांग्रेस और माकपा की ओर से लगाये गये आरोपों पर नजर डालिये एकदम साफ हो जायेगा कि सिर्फ विरोध के लिए विरोध की राजनीति की जा रही है। जबकि जस्टिस नजीर की नियुक्ति के विरोध का कोई आधार है ही नहीं। हम आपको बता दें कि जस्टिस नजीर पर हो रहे राजनीतिक हमलों के बीच केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रीजीजू ने प्रत्यक्ष तौर पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा है कि ''पूरा इकोसिस्टम एक बार फिर इस मुद्दे पर सक्रिय हो गया है।%% उन्होंने किसी का नाम लिये बिना कहा कि उन्हें समझना चाहिए कि अब वे भारत को ''व्यक्तिगत जागीर' नहीं मान सकते। रीजीजू ने ट्विटर पर कहा कि भारत संवैधानिक प्रावधानों पर निर्देशित होगा।

उधर, जहां तक कांग्रेस की ओर से किये गये विरोध की बात है तो आपको बता दें कि कांग्रेस ने उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एस अब्दुल नजीर को राज्यपाल नियुक्त किये जाने को लेकर मोदी सरकार की आलोचना करते हुए इस तरह की नियुक्तियों के खिलाफ भाजपा के दिवंगत नेता अरूण जेटली की टिप्पणियों का जिक्र किया है। कांग्रेस ने साथ ही, इस कदम को न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए एक ''गंभीर खतरा'' करार दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, %%भाजपा के एक कद्दावर (दिवंगत) नेता अरूण जेटली ने पांच सितंबर 2013 को संसद में और कई बार इसके बाहर भी कहा था कि सेवानिवृत्ति के बाद पद पाने की आकांक्षा सेवानिवृत्ति से पूर्व के फैसलों को प्रभावित करती हैं। यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए खतरा है।'' उन्होंने जेटली की टिप्पणी का संदर्भ देते हुए कहा, ''हम व्यक्तियों या निजी व्यक्ति के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। व्यक्तिगत रूप से मैं इस व्यक्ति (नजीर) का काफी सम्मान करता हूं। मैं उन्हें जानता हूं, यह उनके बारे में कहीं से नहीं है। सिद्धांत के तौर पर हम इसका विरोध कर रहे हैं। सिद्धांत के तौर पर हमारा मानना है कि यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता को एक गंभीर खतरा है...।'' सिंघवी ने कहा, ''इसलिए, हम इसकी निंदा करते हैं, हम इसका विरोध करते हैं और हम इससे सहमत नहीं हैं।''

दूसरी ओर, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता एवं राज्यसभा सदस्य ए.ए. रहीम ने नजीर को राज्यपाल के तौर पर नियुक्त करने के केंद्र के फैसले की आलोचना करते हुए कहा है कि यह भारतीय लोकतंत्र के लिए एक धब्बा है। माकपा सांसद ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को नियुक्त करना निंदनीय है क्योंकि यह देश के संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। रहीम ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, %नजीर को इस पेशकश को मानने से इंकार कर देना चाहिए।% उन्होंने कहा कि देश का अपनी न्याय प्रणाली में भरोसा नहीं खोना चाहिए। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने तो आंध्र प्रदेश के नवनियुक्त राज्यपाल को बेशर्म करार दे दिया है।

वहीं, विपक्ष के आरोपों पर पलटवार करते हुए भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी ने कहा है कि हर मुद्दे को राजनीतिक रंग देना कांग्रेस की आदत है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्षी पार्टी राज्यपालों की नियुक्ति पर भी ऐसा ही कर रही है। उन्होंने कहा, ''पूर्व न्यायाधीशों को अतीत में अनगिनत मौकों पर विभिन्न पदों पर नियुक्त किया गया है। हमारा संविधान भी कहता है कि न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति बाद नियुक्तियों में कुछ भी गलत नहीं है।''

उधर, आंध्र प्रदेश अपने नये राज्यपाल के स्वागत के लिए आतुर है। राज्य के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने राज्य के नए राज्यपाल के तौर पर एस अब्दुल नजीर की नियुक्ति का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि वह आंध्र प्रदेश की पूर्ण क्षमता का इस्तेमाल करने के लिए नए राज्यपाल के साथ मिलकर काम करने को इच्छुक हैं। रेड्डी ने ट्वीट किया, %%नए राज्यपाल एस अब्दुल नजीर गारु का हमारे खूबसूरत राज्य आंध्र प्रदेश में स्वागत करना मेरा सौभाग्य है। मैं आंध्र प्रदेश की पूर्ण क्षमता का इस्तेमाल करने के लिए उनके साथ काम करने का इच्छुक हूं। स्वागत है मान्यवर।''

बहरहाल, हम आपको एक बार फिर बता दें कि नजीर राम जन्म भूमि-बाबरी मस्जिद विवाद मामले में 2019 में ऐतिहासिक फैसला सुनाने वाली उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा रहे थे। इसके अलावा नजीर, 'तीन तलाक' और 'निजता के अधिकार' को मूल अधिकार घोषित करने सहित कई महत्वपूर्ण फैसले सुनाने वाली पीठ में भी शामिल रहे थे। लेकिन सिर्फ यही वह फैसले नहीं हैं जिनकी वजह से हमारा न्यायिक इतिहास गर्वित हुआ है। जस्टिस नजीर कई और भी महत्वपूर्ण फैसलों में शामिल रहे हैं जिनकी वजह से देश का विश्वास न्यायपालिका पर और मजबूत हुआ है।

## भारतीय ज्ञान परंपरा....

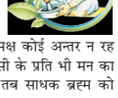



# ब्रह्मबिन्दूपनिषद् (भाग-01 )

यह उपनिषद् कृष्ण यजुर्वेद से सम्बद्ध है। इसका दूसरा नाम अमृतबिन्दूपनिषद् भी है। इसमें कुल 22 मन्त्र हैं, जिसमें ब्रह्म के अनुसन्धान (साक्षात्कार) का क्रमिक स्वरूप वर्णित हुआ है। मन ही मनुष्य के बन्धन एवं मोक्ष का कारणभूत है इस शाश्वत तथ्य के उद्घाटन के साथ उपनिषद् का शुभारम्भ हुआ है। मन को निर्विषय बनाकर मुक्ति की प्राप्ति, निर्विषय बनाने की विधि, स्वर (प्रणव) तथा अस्वर द्वारा व्यक्त एवं अव्यक्त ब्रह्म का अनुसन्धान, तीनों अवस्थाओं (जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति) में एक ही आत्मतत्त्व की स्थिति, आत्मा का शाश्वत स्वरूप, माया से जीवात्मा का आवृत होना, अज्ञानान्धकार के विनष्ट होने पर जीवात्मा परमात्मा के एकत्व का बोध, दूध में विद्यमान घृत की तरह चिन्तन-मनन रूप मन्थन द्वारा परमात्मतत्त्व की प्राप्ति और अन्ततः स्वयं के रूप में उस (परमात्मतत्त्व ) की अनुभूति यही सब वर्ण्य विषय हैं, इस ब्रह्मबिन्दूपनिषद् के ये सभी विषय बड़े सरल ढंग से इस उपनिषद् में प्रतिपादित हुए। हैं।

मन के दो प्रकार कहे गये हैं, शुद्ध मन और अशुद्ध मन जिसमें इच्छाओं, कामनाओं के संकल्प उत्पन्न होते हैं, वह अशुद्ध मन है और जिसमें इन समस्त इच्छाओं का सर्वथा अभाव हो गया है, वही शुद्ध मन है। मन ही सभी मनुष्यों के बन्धन एवं मोक्ष का प्रमुख कारण है। विषयों में आसक्त मन बन्धन का और कामना - संकल्प से रहित मन ही मोक्ष (मुक्ति) का कारण कहा गया है।

निरस्तविषयासङ्गं निरुद्धं मनो हृदि यदा यात्युन्मनीभावं तदा तत्परमं पदम्। विषय-भोगों के संकल्प से रहित होने पर ही इस मन का विलय होता है। अतः मुक्ति की इच्छा रखने वाला साधक अपने मन को सदा ही विषयों से दूर रखे। इसके अनन्तर जब मन से विषयों की आसक्ति निकल जाती है तथा वह हृदय में स्थिर होकर उन्मनी भाव को प्राप्त हो जाता है, तब वह उस परमपद को प्राप्त कर लेता है ।

मनुष्य को अपना मन तभी तक रोकने का प्रयास करना चाहिए, जब तक कि वह हृदय में विलीन नहीं हो जाता। मन का हृदय में लीन हो जाना ही ज्ञान और मुक्ति है, इसके अतिरिक्त और जो कुछ भी है, वह सब ग्रन्थ का मात्र विस्तार ही है। जब चिन्तनीय और अचिन्तनीय का उस (साधक) के समक्ष कोई अन्तर न रह जाए तथा दोनों में से किसी के प्रति भी मन का पक्षपात भी न रह जाए, तब साधक ब्रह्म को प्राप्त कर लेता है।

(साधक को) स्वर अर्थात् प्रणव के द्वारा व्यक्त ब्रह्म की अनुभूति करनी चाहिए तथा इसके पश्चात् अस्वर द्वारा (प्रणव से अतीत) अव्यक्त ब्रह्म का चिन्तन करे। प्रणवातीत उस श्रेष्ठ परब्रह्म की प्राप्ति भावना के माध्यम से भाव-रूप में होती है, अभाव रूप में नहीं।

वह ब्रह्म कलाओं से रहित (एक रस-प्राणादि कलाओं से ऊपर), निर्विकल्प एवं निरञ्जन अर्थात् माया और मल से रहित है। वह ब्रह्म मैं ही हूँ, इस प्रकार जान करके मनुष्य निश्चित ही ब्रह्ममय हो जाता है। न निरोधो न चोत्पत्तिर्न बद्धो न च साधकः न मुमुक्षा न मुक्तिश्च इत्येषा परमार्थता 10 ॥ न निरोध (प्रलय) है, न उत्पत्ति है, न बन्धन है और न ही (मोक्ष) साधकता है, न मुक्ति की इच्छा है और न ही मुक्ति है। इस तरह का निश्चय होना ही परमार्थ बोध अर्थात् वास्तविक ज्ञान है।

**क्रमशः...**

# स्वतंत्रता आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वालीं सरोजिनी नायडू

सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी 1879 को हैदराबाद में हुआ था। भारत कोकिला के नाम से प्रसिद्ध हुई सरोजिनी ने मात्र 14 वर्ष की उम्र में सभी अंग्रेजी कवियों की रचनाओं का अध्ययन कर लिया था। उन्हें इंग्लिश, बंगला, उर्दू, तेलुगु और फारसी भाषा का अच्छा ज्ञान था।

नायडू के राजनीति में सक्रिय होने में गोखले के 1906 के कोलकाता अधिवेशन के भाषण ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने भारतीय समाज में फैली कुरीतियों के लिए भारतीय महिलाओं को जागृत किया। भारत की स्वतंत्रता के लिए विभिन्न आंदोलनों में सहयोग दिया। काफी समय तक वे कांग्रेस की प्रवक्ता रहीं। जलियांवाला बाग हत्याकांड से क्षुब्ध होकर उन्होंने 1908 में मिला कैसर-ए-हिन्द सम्मान लौटा दिया था।

भारत छोड़ो आंदोलन में उन्हें आगा खां महल में सजा दी गई। वे उत्तरप्रदेश की पहली महिला राज्यपाल बनीं। एक कुशल राजनेता होने के साथ-साथ वे अच्छी लेखिका भी थीं। 1903 से 1917 के बीच वे टैगोर, गांधी, नेहरू व अन्य नायकों से भी मिलीं। महात्मा गांधी से उनकी प्रथम मुलाकात 1914 में लंदन में हुई और गांधीजी के व्यक्तित्व ने उन्हें बहुत प्रभावित किया। दक्षिण अफ्रीका में वे गांधीजी की सहयोगी रहीं। वे गोपालकृष्ण गोखले को अपना राजनीतिक पिता मानती थीं। उनके विनोदी स्वभाव के कारण उन्हें गांधीजी के लघु दरबार में विदूषक कहा जाता था। एनी बेसेंट और अय्यर के साथ युवाओं में राष्ट्रीय भावनाओं का जागरण करने हेतु उन्होंने 1915 से 18 तक भारत भ्रमण किया। 1919 के सविनय अवज्ञा आंदोलन में वे गांधीजी की विश्वसनीय सहायक थीं। होमरूल के मुद्दे को लेकर वे 1919 में इंग्लैंड गईं। 1922 में उन्होंने खादी पहनने का व्रत लिया। 1922 से 26 तक वे दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के समर्थन में आंदोलनरत रहीं और गांधीजी के प्रतिनिधि के रूप में 1928 में अमेरिका गईं।



सरोजिनी नायडू ने गांधीजी के अनेक सत्याग्रहों में भाग लिया और भारत छोड़ो आंदोलन में वे जेल भी गईं। 1925 में वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कानपुर अधिवेशन की प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष बनीं। वे उत्तरप्रदेश की गवर्नर बनने वाली पहली महिला थीं। वे %भारत कोकिला% के नाम से जानी गईं। नायडू ने कानपुर कांग्रेस अधिवेशन के अध्यक्षीय भाषण के समय कहा था- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को (सभी को) जो उसकी परिधि में आते हों, एक आदेश देना चाहिए कि केंद्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं में वे अपनी सीटें खाली करें और कैलाश से कन्याकुमारी तक, सिन्धु से ब्रह्मपुत्र तक एक गतिशील और अथक अभियान का श्री गणेश करें।

चुनाव के बाद जब तुम्हारा भव्य अभिनंदन किया जा रहा था, तो तुम्हारे चेहरे को देखते-देखते मुझे लगा, मानो मैं एक साथ ही राजतिलक और सूली का दृश्य देख रही हूं। वास्तव में कुछ परिस्थितियों और कुछ अवस्थाओं में ये दोनों एक-दूसरे से अभिन्न हैं और लगभग पर्यायवाची हैं।

# चीन का रवैया अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के विपरीत

**प्रशांत दीक्षित**

रणनीतिक पहलों के क्षेत्र में टोही गतिविधियों के लिए चीन द्वारा गुब्बारों के इस्तेमाल करने की प्रथा को पुनर्जीवित करना सचमुच रहस्यमयी लगता है। इसे जांचने की जरूरत है। अपने विरोधियों पर नजर रखने का यह सरल और सस्ता तरीका माना जाता है। लेकिन यह मौसम के आकलन में गुब्बारों के इस्तेमाल करने की पुरानी तकनीक की तरह है। और असल सवाल यही है कि क्या यह कारगर है? देखने में यह चीनी शासन द्वारा चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज के लिए एक प्रचार अभियान प्रतीत होता है।

हम जानते हैं कि जहां चीन ने पहले से ही परिष्कृत लंबी दूरी की निगरानी के लिए एक विशाल उपग्रह नेटवर्क तैनात कर रखा है, वहीं चीनी सैन्य विशेषज्ञों ने अब लाइटर-देन-एयर व्हीकल यानी गुब्बारे जैसे तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया है, जिन्हें उड़ाने के लिए हवा से हल्की गैस का इस्तेमाल होता है। घूमने वाले उपग्रहों या विमानों, स्ट्रेटोस्फेरिक एयरशिप (अंतरिक्ष में उड़ने वाले विमानों) और अधिक ऊंचाई पर उड़ने वाले गुब्बारों के विपरीत ये एक निश्चित स्थान पर लंबे समय तक मंडरा सकते हैं और इन्हें रडार आसानी से पकड़ नहीं पाता। हालांकि किसी निश्चित जगह पर मंडराते रहना आसान नहीं होता, क्योंकि गुब्बारे वहीं जाएंगे, जहां हवा उन्हें ले जाएगी। इनमें शक्ति बढ़ाने की क्षमता भी नहीं होती, यानी एक निश्चित अवधि तक ही ये काम कर सकते हैं। नागरिक हवाई यातायात को नियंत्रित करने वाले रडार इसे आसानी से पकड़ लेते हैं।

गुब्बारे 60 से 70 हजार फीट की ऊंचाई पर होते हैं। यह अंतरिक्ष के निकट है, और इसे राष्ट्रीय वायु रक्षा क्षेत्रों और देशों के नियंत्रित हवाई स्थानों के अधिकार क्षेत्र से परे माना जाता है। यह बाह्य अंतरिक्ष संधि में भी दखल नहीं देता है। मैं समझता हूं कि इसका यही एकमात्र लाभ है। अपुष्ट खबर यह भी है कि इस तरह का एक गुब्बारा अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के निकट भी देखा गया। चीनी शोधकर्ताओं- सैन्य और नागरिक, दोनों ने नियर स्पेस या निकट अंतरिक्ष के बारे में हजार से अधिक पेपर और रिपोर्ट्स लिखी हैं और इनमें से कई निकट अंतरिक्ष यान के विकास पर केंद्रित हैं।



चीन ने एक शीर्ष सरकारी थिंकटैंक चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज के अधीन उच्च ऊंचाई पर उड़ने वाले गुब्बारे और स्ट्रेटोस्फेरिक एयरशिप्स की डिजाइन और विकास के लिए एक शोध केंद्र स्थापित किया है। खबरें बताती हैं कि इन उच्च ऊंचाई में उड़ने वाले गुब्बारों को अमेरिका के वायु रक्षा नेटवर्क के कुछ हिस्से में देखा गया। एक अमेरिकी सैन्य कमांडर ने सोमवार को स्वीकार किया कि अमेरिका में %डोमेन अवेयरनेस गैप% (निगरानी प्रणाली की खामी) है, जिसके कारण पिछले प्रशासन के दौरान भी तीन अन्य संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे अमेरिका से गुजरने में सफल हो गए थे। यह एक राजनीतिक बयान लगता है।

हालांकि यह बात सामने आई है कि अमेरिकी वायु सेना उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप में अपने पर्यावरण और रणनीतिक हितों को नुकसान पहुंचाए बिना उपकरण को नीचे लाने के तरीकों पर काम कर रही थी। यह पता चला है कि गुब्बारे को पूरी तरह से तुरंत रोकने के लिए इन मिशनों को पूरा करने के लिए कोई उपयुक्त विमान उपलब्ध नहीं था, क्योंकि नष्ट करने के बावजूद यह कई दिनों तक अंतरिक्ष में बना रह सकता है। फिर किसी उपग्रह को उसके मालिक की सहमति के बिना, जो कि उसके नियंत्रण क्षेत्र से बाहर है, नीचे लाए जाने का एक कानूनी पहलू भी है।

अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन (आईसीएओ) के नियमों के मुताबिक चीनी नागरिक विमानन संगठन से यह अपेक्षित था कि वह इन गुब्बारों को उड़ाने से पहले एक %नोटम% (अधिसूचना) जारी करता। ऐसा लगता है कि उसने ऐसा नहीं किया, जबकि वह आईसीएओ के सारे नियमों का हस्ताक्षरकर्ता है। हालांकि, एफबीआई की टीम समुद्र के ऊपर गिराए गए गुब्बारे से प्राप्त उपकरण से संबंधित और जानकारी जुटाने का काम कर रही है, जिसमें यह भी शामिल है कि यह किस प्रकार का डाटा एकत्र कर सकता था और क्या उसे वास्तविक समय में प्रसारित करने में भी यह सक्षम था। चीन ने इस क्षेत्र में जो प्रगति की है, उसका एक उदाहरण 100 मीटर लंबी (328 फीट) मानव रहित हवाई पोत की खबरों में आई उड़ान है, जिसे %क्लाउड चेजर% के रूप में जाना जाता है।

चीनी विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर का कहना है कि इस वाहन ने पृथ्वी से 20,000 मीटर (65, 616 फीट) ऊपर एशिया, अफ्रीका और उत्तर अमेरिका से होकर गुजरते हुए दुनिया भर की उड़ान भरी थी। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, एक सैन्य विशेषज्ञ ने बताया है कि कैसे %नियर-स्पेस लाइटर-देन-एयर व्हीकल (गुब्बारे) उपग्रहों की तुलना में कम लागत में सर्वे कर सकता है और उच्च रिजोल्यूशन वाली तस्वीरें और वीडियो भेज सकता है।

चीन की नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ डिफेंस टेक्नोलॉजी के एक विशेषज्ञ ने इन वाहनों को विकसित करने में अमेरिका, रूस और इस्राइल द्वारा की गई प्रगति पर प्रकाश डाला और बताया कि चीन ने भी इस दिशा में सफलता हासिल की है। इस टीम के एक अन्य वैज्ञानिक ने मीडिया को बताया कि उपग्रहों से तुलना करें, तो स्ट्रेटोस्पेरिक एयरशिप दीर्घकालीन सर्वेक्षण के लिए बेहतर होते हैं और आपदा चेतावनी तथा पर्यावरण अनुसंधान से लेकर वायरलेस नेटवर्क निर्माण और हवाई जासूसी करने में सक्षम होते हैं।

अमेरिकी खुफिया अधिकारियों का मानना है कि अमेरिका में नजर आया चीनी गुब्बारा चीनी सेना द्वारा संचालित व्यापक निगरानी कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसमें गुब्बारों का एक बेड़ा शामिल है, जिसने हाल के वर्षों में कम से कम पांच महाद्वीपों में कम से कम दो दर्जन मिशनों का संचालन किया है। दूसरी ओर बीजिंग ने कहा कि अमेरिकी आकलन चीन के खिलाफ %अमेरिका की सूचना और जनमत युद्ध% का संभावित हिस्सा है। उसका कहना है कि अमेरिका में नजर आया उपकरण नागरिक प्रकृति का है और यह निजी कंपनियों का है। लेकिन हम जिस बात को नजरंदाज नहीं कर सकते, वह यह है कि विश्व समुदाय के प्रति चीन का रवैया अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल और प्रथाओं के अनुरूप नहीं है। एक स्वतंत्र रूप से उड़ता हुआ गुब्बारा खतरनाक होता है। इस हरकत के लिए उसे सार्वजनिक रूप से दंडित करने की आवश्यकता है।

## गांधी आज

# सामुदायिक सत्याग्रह

कहीं भी सामुदायिक सत्याग्रह करने के लिए नीचे लिखी अनुकूलताएं आवश्यक है। इनके अभाव में सामुदायिक सत्याग्रह शुरू करने में मार-काट मच जाने से आपस में और जिसके मुकाबले सत्याग्रह शुरू किया गया हो उससे पैर विरोध बढ़ने का डर रहता है। और समय है आखिर में बल प्रयोग या दमन के कारण जनता भयभीत हो जाय तथा और ज्यादा दब जाय।

सत्याग्रह शुरू करने की इच्छा रखनेवाले नेताओं में परस्पर संपूर्ण विश्वास और विचारों की एकता होनी चाहिए। यदि एक दूसरे की ईमानदारी पर शंका या नेता की विचारधारा पर अविश्वास या अर्द्धविश्वास हो तो इसे सामुदायिक सत्याग्रह के लिए प्रतिकूल परिस्थिति समझना चाहिए। यदि सत्याग्रह चलाने की इच्छा रखनेवाले नेताओं में भिन्न-भिन्न राजनीतिक विचारों के लोग हो तो सत्याग्रह के तात्कालिक उद्देश्य के बारे में भिन्न-भिन्न प्रकार के राजनीतिक विचारों के वाद-विवाद या उस दृष्टि से की जानेवाली आलोचनाओं को बंद करने में सबको एकमत होना चाहिए।

सत्याग्रही नेताओं का जनता पर इतना काबू होना चाहिए कि लोग उनकी दी हुई हिदायतों पर खुशी से और लगन से अमल करें। उनकी मना की हुई बात या काम कभी न करें। जनता का नेताओं पर इतना विश्वास होना चाहिए कि विरोधियों की ओर से उनके विषय में चाहे जैसी बातें कहीं फैलाई जायं, पर उनसे अपने में बुद्धि-भेद न होने दे।

## संक्षिप्त समाचार

### अवैध रूप से वाहनों पर लोड करा रहे थे लकड़ियां, चार गिरफ्तार

**जगदलपुर।** छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में वन विभाग की टीम ने रविवार देर रात लकड़ियों के चार तस्करों का गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी अपनी गाड़ियों में अवैध रूप से चिरान की लकड़ियां लोड करा रहे थे। इसी दौरान टीम ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। आरोपियों ने अपनी गाड़ी पर प्रेस का स्टीकर लगा रखा था। वन विभाग की टीम ने दोनों वाहनों सहित 50 हजार रुपये का माल जब्त किया है। मामला नानगुर क्षेत्र का है। रेंजर देवेंद्र वर्मा ने बताया की नानगुर से करीब 20 किमी अंदर ग्राम बामनरास में अवैध रूप से लकड़ियां ले जाए जाने की सूचना मिली थी। इस पर पांच अलग-अलग वाहनों से टीम को मौके पर भेजा गया। वहां तब तक आरोपियों ने चिरान की लकड़ियों को अपने वाहनों में लोड कर दिया था। उसे लेकर निकलने के फिराक में ही थे, तभी टीम ने घेराबंदी करते हुए धर दबोचा। पकड़ी गई स्कार्पियो गाड़ी में प्रेस लिखा था, उसमें 13 नग चिरान लकड़ी थी।

### वरवाहे मोहित ने गोबर बेचकर जमीन खरीदने का सपना किया पूरा

**धमतरी।** कुछ सालों पहले शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि गोबर भी किसी का जीवन बदल सकता है। लेकिन छत्तीगढ़ में गोधन न्याय योजना के लागू होते ही कई लोगों के जीवन में सुखद परिवर्तन देखने को मिल रहा है। यहां गौठान समितियां आर्थिक रूप से सशक्त तो बन ही रही हैं, बल्कि आम ग्रामीणों और गोधन की सेवा से जुड़े चरवाहों के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आया है। गोबर से कण्डे बनाने तक सीमित रहने वाले चरवाहों के भाग्य भी इस योजना से खुलने लगे हैं। धमतरी जिले के ग्राम पोटियाडीह के 61 वर्षीय चरवाहे मोहित ने गोबर बेचकर जमा की राशि से अपने जमीन खरीदने के सपने को पूरा कर लिया। श्री मोहितराम यादव ने बताया कि लगभग ढाई साल पहले तक वह गोबर से कण्डे बनाकर उसका उपयोग घरेलू ईंधन के तौर पर करते थे। बचे हुए कण्डों को वे औने-पौने दाम में बेच दिया करते थे। गोधन न्याय योजना के लागू होने से प्रतिदिन गोबर बेचकर उन्होंने एक लाख से अधिक की राशि अर्जित कर ली। जब से गोधन न्याय योजना आई है तब से उनका भाग्य चमक उठा है। उन्होंने उत्साहित होकर ठेठ बोली में कहा कि- हमर सरकार हमरे मन असन रोजी-मजदूरी करके गुजारा करने वाला मन बर ए योजना ल बनाय हवे..। कभू नई सोंचे रेहेन कि गठउान म गोबर बेच के हमर जिनगी संवर जाही...!

### 6 गांव के लोगों ने किया डैम कार्यालय का घेराव, जमकर हुई नारेबाजी

**कोरबा।** राखड़ डैम से निकलने वाले राखड़ से लोग काफी परेशान हैं। इसी वजह से अब उनका गुस्सा फूटा है। अब 6 गांव के लोगों ने डैम कार्यालय का घेराव भी किया है। उनका कहना है कि जल्द इस समस्या का हल होना चाहिए, नहीं तो बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। हम लोग बहुत परेशान हैं। इस दौरान लोगों ने जमकर नारेबाजी की है। एनटीपीसी जमनीपाली पावर प्लांट के राखड़ को धनरास स्थित राखड़ डैम में डंप किया जाता है। जो उड़कर आस-पास के गांव में जाता है। इसके कारण कई लोगों को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग काफी परेशान हैं। सबसे ज्यादा दिक्कत धनरास, सलियाहाभाठा, छुरी खुर्द,लोतलोता गांव में है। इस बीच रविवार को इन्हीं 6 गांव के लोग जिला पंचायत अध्यक्ष व स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ धनरास स्थित राखड़ डैम के कार्यालय पहुंच गए और कार्यालय का घेराव कर दिया। इस दौरान वहां के अधिकारियों ने लोगों से चर्चा भी की। मगर कोई बात नहीं बनी है। इसलिए लोगों ने प्रबंधन को अब 10 दिनों का वक्त दिया है। उनका कहना है कि यदि 10 दिन के अंदर इस समस्या का हल नहीं होता तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी पहुंची थीं।

### मधुमक्खी के बाद स्टेशन में लंगूरों का आतंक, दो को काटा

**बिलासपुर।** बिलासपुर जोनल स्टेशन में मधुमक्खी के बाद अब लंगूरों आतंक मचा रहे हैं। शनिवार की शाम को उन्होंने दो स्टालकर्मी को अपना निशाना बनाया। जैसे ही स्टालकर्मी को काटने की घटना सामने आई स्टेशन में कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। स्टेशन के जिम्मेदार अधिकारियों को भी इस घटना की जानकारी दी गई। लेकिन, कोई भी सामने नहीं आया। घायलों ने खुद के खर्च से इलाज कराया। रेलवे स्टेशन को बेहद संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। यहां हमेशा भीड़ रहती है। यही वजह है कि आरपीएफ व जीआरपी के द्वारा सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए। गेट क्रमांक तीन पर लगेज स्कैनर मशीन लगाई गई। जिससे यात्रियों के सामानों की जांच होती है। इसके अलावा आरपीएफ बल सदस्य के अलावा जीआरपी भी नियमित ट्रेनों की जांच करती है। आरपीएफके पास डाग स्क्वायड टीम भी है। बम विस्फोट या अन्य अपराधिक गतिविधियों से निपटने के लिए तो रेलवे के पास पर्याप्त संसाधन है। इनकी उपलब्धता देख यात्री भी खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं। लेकिन, अभी यात्री, स्टाल कर्मचारी या यात्रियों के स्वजनों के सामने ऐसी समस्या आ गई है, जिसे दूर करने के लिए रेल प्रशासन के पुख्ता इंतजाम नहीं है। स्टेशन में अब तक कुत्ते या मवेशी ही नजर आते थे।

# हाट बाजार क्लीनिक से मिल रही स्वास्थ्य सुविधाएं

## राज्य के ग्रामीण अंचलों में एक लाख 44 हजार 962 हाट बाजार क्लीनिक का आयोजन

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों विशेषकर पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं तेजी से पहुंच रही है। स्वास्थ्य विभाग का अमला हाट बाजार क्लीनिक के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। राज्य के ग्रामीण अंचलों में एक लाख 44 हजार 962 हाट बाजार क्लीनिक का आयोजन किया जा चुका है। इन आयोजनों में 82 लाख से अधिक मरीजों को सीधा फायदा मिला है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा हाट बाजारों में आयोजित किए जा रहे क्लीनिकों में लोगों को उपचार के साथ-साथ निःशुल्क दवाईयां और पैथोलॉजी की सुविधाएं मिल रही है। योजना के अंतर्गत राज्य में 429 डेडिकेटेड ब्रांडिंग वाहन तथा चिकित्सा दलों के माध्यम से दूरस्थ अंचलों में लोगों का इलाज किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार की फ्लैगशिप योजना मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना से बस्तर-सरगुजा सहित राज्य के अन्य पहुंचविहीन और दुर्गम इलाके में रहने

वाले लोगों को काफी फायदा हो रहा है। जहां एक तरफ इस योजना से महिलाओं और बच्चों के पोषण में सतत् निगरानी हो रही है तो वहीं दूसरी तरफ योजना से बस्तर में मलेरिया उन्मूलन अभियान को गति मिली है। इन इलाकों में महिलाओं और बच्चों में पोषण स्तर की जांच और कुपोषण के रोकथाम के लिए भी यह योजना कारगर सिद्ध हो रही है। मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 23 लाख 13 हजार 461 लोगों के उच्च रक्तचाप, 19 लाख 88 हजार 675 लोगों की मधुमेह, छह लाख 19 हजार 015 लोगों की मलेरिया जांच, चार लाख 73 हजार 560 लोगों की रक्त-अल्पता (एनीमिया) और दो लाख 90 हजार 047 लोगों में नेत्र विकारों की जांच की गई है। इन क्लीनिकों में 58 हजार 681 लोगों की टीबी, 31 हजार 700 लोगों की कुष्ठ और 45 हजार 640 लोगों की एचआईव्ही जांच भी की गई है। इस दौरान एक लाख चार हजार 273 गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच भी की गई है। हाट-बाजारों में आयोजित क्लीनिकों में दो लाख दो हजार 371 डायरिया पीड़ितों का भी उपचार किया गया है। बस्तर संभाग में अब तक 11 लाख 34 हजार 708 लोगों का इलाज किया जा चुका है।

बस्तर जिले के दरभा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले पखनार गांव की तस्वीर बदल रही है। डिलमिली की पहाड़ियों पर बसा यह गांव कभी नक्सल प्रभावित था। लेकिन अब यहां सब कुछ बदल गया है। सड़क, बिजली, पानी और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसी मूलभूत आवश्यकताएं यहां पूरी हो रही हैं। पखनार के हाट-बाजार क्लिनिक में इलाज करने पहुंचे डॉक्टर दुलेश्वर दानी ने बताया कि इस योजना से यहां गर्भवती माताओं और शिशुओं की जांच व टीकाकरण, संक्रामक तथा असंक्रामक बीमारियों की जांच, नेत्र रोग, कुपोषण, चर्म रोग, मधुमेय, टीवी, उच्च रक्तचाप और परिवार नियोजन संबंधित सलाह दी जा रही है। डॉ. दानी ने बताया कि छोटी-मोटी बीमारियों और उसके टेस्ट के लिए ग्रामीणों को शहर नहीं जाना पड़ता है। चेकअप के दौरान उचित स्वास्थ्य परामर्श दिया जाता है। इसके अलावा एक एंबुलेंस की भी सुविधा है जिससे इमरजेंसी जैसी स्थिति के लिए उपयोग किया जाता है।

# लोकरंजनी की प्रस्तुति ने मन मोहा

## राजिम मेला में डॉ. चंद्राकर का सम्मान

**रायपुर।** राजीम पुत्री मेला में सांस्कृतिक कार्यक्रम डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर कृत लोकरंजनी लोककला सांस्कृतिक समिति रायपुर द्वारा शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति दिया गया लाखों की संख्या में आए, दर्शकों ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया।

कार्यक्रम में डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर वरिष्ठ लोक कलाकार का सम्मान किया गया। जिसमें लोकरंजनी परिवार के 25 कलाकारों द्वारा छत्तीसगढ़ के समृद्ध पारंपरिक लोकगीत नृत्य, सुवा, करमा, ददरिया, पंथी, भोजली, राउत नाचा, गौरा गौरी, फाग गीत, तथा छत्तीसगढ़ की पावन सरिता नदियों, पहाड़ पर्वत, देव तीर्थ स्थाली, तीज त्योहारों एवं स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देने वाले महापुरुषों के अवदान को सुंदर गीत संगीत एवं नृत्य के माध्यम से लयबद्ध कर लोकरंजनी लोककला सांस्कृतिक मंच द्वारा प्रस्तुत की जाएगी। संगीत

में गुड़ुम, डफला, मोहरी, डमऊ, निशान, मंजीरा का विशेष उपयोग करते हैं आगे डा. पुरुषोत्तम चंद्राकर ने बताया कि कला के प्रति मेरा रूझान बचपन से रहा है गांव के रामलीला एवं नाचा में बचपन से ही विभिन्न पात्र की भूमिका करते रहे लोक मंच के माध्यम से समाज में फैली हुई कुप्रथा छुआछूत भेदभाव अंधविश्वास दूर करने बेटी बचाने बेटी पढ़ाने जल संरक्षण पर्यावरण संरक्षण नदी नालों का संरक्षण के साथ सामाजिक कुरीतियों को रास्ता दिखाने का काम कर रहे हैं डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर ने कहा कि सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए फूहड़ता का सहारा लेना ठीक नहीं है।

## नागरिक आपूर्ति निगम को हाई कोर्ट से बड़ा झटका

**बिलासपुर।** हाई कोर्ट ने एक मामले में फैसला सुनाते हुए नागरिक आपूर्ति निगम के खिलाफआदेश जारी कर निविदाकार को 7.26 करोड़ की अमानत राशि वापस करने का निर्देश दिया है। नागरिक आपूर्ति निगम ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए चना क्रय के लिए 7 फरवरी 2022 को चार निविदा जारी की थी, जिसमें से अंबे इंडस्ट्रीज ने दो निविदाओं में भाग लेते हुए 4 l45 करोड़ और 2 l81 करोड़ कुल 7 l26 करोड़ रुपए अमानत राशि के रूप में जमा किया था। निविदा 9 मार्च 2022 को खुला और जब 30 मार्च 2022 तक बिड स्वीकार नहीं किया गया, तब निविदादार ने 31 मार्च 2022 को अपना ऑफर वापस ले लिया।

नागरिक आपूर्ति निगम ने उसके बाद बिड स्वीकार कर निविदादार को अनुबंध करने का निर्देश दिया। अनुबंध नहीं करने पर निविदादार की अमानत राशि जब्त कर ली गई, जिसके विरुद्ध निविदादार ने रिट याचिका दायर कर उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। जस्टिस अरूप कुमार गोस्वामी जस्टिस और अरविंद सिंह चंदेल की डिवीजन बेंच ने प्रकरण की सुनवाई के बाद आदेश पारित किया कि नागरिक आपूर्ति निगम का कृत्य पूरी तरीके से गलत है, और अंबे इंडस्ट्रीज द्वारा जमा की गई बयाना राशि 30 दिन के अंदर वापस करे। इसके साथ ही कोर्ट ने नागरिक आपूर्ति निगम के उस आदेश को भी निरस्त किया, जिसमें अंबे इंडस्ट्रीज को 3 साल के लिए ब्लैकलिस्ट किया गया था।

# राज्य सरकार के संरक्षण में नक्सली भाजपा के नेताओं की कर रहे हैं हत्या: केदार कश्यप

**जगदलपुर।** बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाकों में पिछले सप्ताह भर में नक्सलियों ने एक-एक कर अब तक तीन स्थानिय भाजपा नेताओं की हत्या किये जाने के बाद भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष से लेकर सभी शीर्ष नेताओं ने कड़ा रूख अपनाते हुए नेताओं को चिन्हित कर उन्हें जान से मारने के पीछे राजनीतिक षड्यंत्र बता रहे हैं। इसी कड़ी में भाजपा के पूर्व मंत्री व प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार के संरक्षण में नक्सली भाजपा के नेताओं की हत्या कर रहे हैं। उन्होने आरोप लगाया कि हमारे नेताओं को चिन्हाकित कर घर में घुसकर हत्या कर रहे हैं, साथ ही नेताओं की सुरक्षा भी हटा ली गई है, इन हत्याओं की न्यायिक जांच की जानी चाहिए और नक्सलियों के टारगेट में रहने वाले सभी भाजपा नेताओं को सरकार की ओर से सुरक्षा दी जानी चाहिए।

गौरतलब है कि बस्तर में नक्सलियों ने सप्ताह भर में तीन भाजपा नेताओं/कार्यकर्ताओं की हत्या की है

जिनमें पहली वारदात को नक्सलियों ने बीजापुर में अंजाम दिया है, जहां उसूर ब्लॉक के बीजेपी मंडल अध्यक्ष नीलकंठ ककेम के घर में घुसकर नक्सलियों ने धारदार हथियार से परिजनों के सामने उनकी हत्या कर दी और दूसरी घटना नारायणपुर जिले के छोटे डोंगर में बीजेपी जिला उपाध्यक्ष सागर साहू के घर में घुसकर नक्सलियों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी और वहीं तीसरी घटना शनिवार की रात नक्सलियों ने दंतेवाड़ा जिले के हितामेटा गांव के पूर्व सरपंच और बीजेपी के सक्रिय नेता रामधर अलामी की हत्या कर दी।

इन तीनों वारदात को नक्सलियों ने बीजेपी नेताओं के घर में घुसकर अंजाम दिया है, वहीं नक्सलियों के द्वारा इन वारदात के बाद प्रदेश में सियासत भी गरमाई हुई है और लगातार भाजपा राज्य की कांग्रेस सरकार को इसके लिए दोषी ठहरा रही है। साथ ही इन तीनों घटनाओं की न्यायिक जांच की मांग कर रही है।

इसके अलावा कुछ हफ्ते पहले बस्तर जिले के बास्तानार इलाके में भी बीजेपी जिला महामंत्री बुधराम करटम के भी मौत को भी हत्या की साजिश बताकर भाजपा नेता इसकी जांच करने की मांग कर रहे हैं, हालांकि बस्तर पुलिस ने भाजपा के जिला महामंत्री के मौत को दुर्घटना बताया है। लेकिन मृतक के परिजनों के साथ भाजपा के नेताओं ने इस घटना की दोबारा जांच करने की मांग की है।

## राज्य लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में पहली पाली में 4241 अभ्यर्थी हुए शामिल

**धमतरी।** छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए आज प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन दो पालियों में किया गया, जिसमें जिले के 5552 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से प्रथम पाली में 4241, तो द्वितीय पाली में 4170 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। इसके लिए राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा जिला मुख्यालय में 14 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए थे, जहां अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा के नोडल अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर श्री आरके कुपाल ने बताया कि उक्त परीक्षा में शामिल होने जिले के 5 हजार 552 अभ्यर्थी का पंजीयन हुआ था, जिनमें से पहली पाली में 4 हजार 241 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि एक हजार 311 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसी तरह दूसरी पाली में 4 हजार 170 परीक्षार्थियों ने राज्य पीएससी की प्रारंभिक लिखित परीक्षा दी। उन्होंने यह भी बताया कि पहली पाली में एक हजार 311 और दूसरी पाली में एक हजार 382 परीक्षार्थी गैरहाजिर रहे। इस संबंध में बताया गया कि राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा जिले में कुल 14 परीक्षा केन्द्र स्थापित किए गए थे। इसमें धमतरी के बीसीएस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नारायण राव मेघावाले गर्ल्स कॉलेज, शिव सिंह वर्मा आदर्श कन्या हायर सेकंडरी स्कूल, डॉ. शोभाराम देवांगन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नत्थूजी जगताप नगर पालिका विद्यालय आदि में परीक्षा केन्द्र स्थापित किए गए थे।

# ग्रीन इंडिया मल्टी स्टेट कम्पनी के डायरेक्टर को किया गिरफ्तार

**कोरबा।** मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-प्राथी कमलेश बक्ष पिता ईशा बक्ष उम्र 55 साल पता ग्राम बैतलपुर जिला मुंगेली के द्वारा आरोपी सोमनाथ खुटिया एवं सन्यासी बेहरा के विरुद्ध माननीय मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी कोरबा के न्यायालय में धारा 156 3 जा.फौ. के तहत् परिवाद पेश किया था। जिस पर माननीय न्यायालय के द्वारा आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। धारा 420, 467, 468, 471, 120 बी आईपीसी एव मामले में विवेचना के दौरान धारा 3,4,5 चिटफण्ड व धन परीक्षण अधिनियम तथा छ.ग. के निक्षेपको के हितो का संरक्षण अधि.की धारा 10 के तहत् अपराध का घटित होना पाए जाने से उक्त प्रकरण में धारा जोडा गया। आरोपीगण के द्वारा चिटफण्ड कंपनी ग्रीन इंडिण्या मल्टी स्टेट मेबर्स केडिट आप्रेटिव सोसायटी धरमानगर, फेरलेन ब्रम्हपुर-2 उडीसा जिसका शाखा कार्यालय घंटाघर भारतीय स्टेट बैंक के उपर चौकी रामपुर जिला कोरबा में खोला गया था। माह मई 2012 से माह नवम्बर 2013 तक नियमित रूप से संचालित रहा उक्त फर्म में अभियुक्तगण कार्य संपादन करते थे। तथा कंपनी को उडीसा राज्य की कंपनी है बताया

गया था। अभियुक्तगण एक राय होकर सुनियोजित तरीके से कोरबा में उक्त कंपनी का संचालन आरंभ किया। कंपनी के अंतर्गत रिकरिंग डिपोजिट ग्रीन विकास डेली डिपोजिट फिक्स डिपोजीट स्कीम ग्रीन बचत मंथली इंकम रोजगार हाफईयर इंकम स्कीम कवार्टली इंकम स्कीम का प्रलोभन देकर लोगो से रकम निवेश करवाया अभियुक्त गण के द्वारा परिवादी आवेदकगणों को तरह-तरह के प्रलोभन देकर रकम निवेश कराकर विभिन्न स्कीमो में लगभग 8,00,000/- जमा कराकर षडयंत्र करते हुए धोखाधडी पूर्वक कोरबा शाखा क्रमांक 38 के माध्यम से निवेश कराया गया। तत्पश्चात अभियुक्त कोरबा में संचालित उक्त कार्यालय को बंद कर दिया एवं फरार हो गये थे। जो न्यायालय आदेश पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

# पुलिस ने पकड़ा नशीली दवाओं का रैकेट शहर में खपा रहे थे नशे का सामान

**भिलाई।** नशीली दवाओं से शहर के युवाओं को नशे के जाल में फंसाने वाले बदमाशों को भिलाई नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस ने तीन बदमाशों से भारी मात्रा में नशे का सामान जिसमें कैप्सूल से लेकर अन्य सामान जब्त किया गया। तीनों बदमाशों के पास से पुलिस ने एक कार व मोटरसाइकिल भी जब्त की है। आरोपियों के खिलाफ धारा 22 नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। खास बात यह है कि तीनों शातिर नशे की दवाइयां कुरियर कंपनी से मंगाते थे।

दुर्ग पुलिस काफी समय से नशे का अवैध व्यापार करने वालों पर नजर रखे हुई थी। एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने इस संबंध में सभी थाना प्रभारियों को विशेष दिशा निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में विशेष सूत्रों से पुलिस को पता चाला कि सेक्टर 7 निवासी मोनू सरदार उर्फ विजय गिल नशीली दवाओं का व्यापार करता है और भारी मात्रा में नशीली दवा युवाओं के बीच खपा रहा है। इसके बाद पुलिस ने मोनू सरदार को रंगे हाथों पकड़ने का प्लान बनाया।

इस बीच मुखबिर से सूचना मिली कि

सेक्टर-7 भिलाई ओव्हर ब्रिज के गार्डन के पास एक कार एवं बुलेट मोटर सायकल में कुछ लड़के नशीली दवाइयां बेचने ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। सूचना मिलने पर भिलाई नगर पुलिस मौके पर पहुंची और कार में बैठे तीन लड़कों को हिरासत में लिया तो यहां वहीं मोनू सरदार मिला जो नशे का कारोबार करता है। मोनू सरदार के साथ पुलिस ने अंकुश कुमार व शैलेश कुमार को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने जब तलाशी ली तो तीनों के पास भारी मात्रा में नशे का सामान मिला। मोनू सरदार उर्फविजय गिल के कब्जे से एक सफेद रंग के थैले में भूरे रंग का कार्टून रखा था। जिसमें 11 पैकेट व बाहर खुला हुआ 09 पैकेट कुल 2400 नग स्पास ट्रांकेन प्लस नशीली कॉप्सूल मिली। इसके अलावा मोनू सरदार के पास से पुलिस ने एक बुलेट मोटर सायकल, नगदी 16300 रुपए व सेमसंग कंपनी का मोबाइल फोन जब्त किया। इसी प्रकार अंकुश कुमार के कब्जे से एक भूरे रंग के कार्टुन से 25 पैकेट कुल 3600 नग स्पास ट्रांकेन प्लस नशीली कॉप्सूल बरामद किया गया है। इसके कब्जे से एक मारूति स्वीफ्ट कार क्रमांक सीजी 07/बीपी-4734, एक रीयल मी कंपनी का मोबाइल फोन व नगदी 1100 रुपए भी जब्त किया गया। तीसरे आरोपी शैलेष शर्मा के कब्जे से 25 पैकेट स्पास ट्रांकेन प्लस नशीली कैप्सूल कुल 3600 नग, सेमसंग कंपनी का की पैड मोबाईल व नगदी 1520 रुपए जब्त किया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि इन नशीली दवाइयों को वे कुरियर के माध्यम से मंगाते थे। तीनों आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने कुल 9600 नग नशीली कैप्सूल स्पास दांकेन प्लस कीमती 70000 जब्त किया गया। साथ ही 18920 रुपए नगद एक कार व बुलेट मोटर सायकल एवं मोबाइल जब्त किया गया।

# झूठ बोल रहे नड्डा, सहीं आंकड़ा मैं दूंगा: भूपेश बघेल

## केंद्र पर कसा तंज, सीएम भूपेश बोले- ये डबल नहीं ट्रबल इंजन की सरकार

**रायपुर।** सीएम भूपेश बघेल ने आज सोमवार को बीजेपी की डबल इंजन की सरकार को लेकर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि ये डबल इंजन की सरकार नहीं है बल्कि ट्रबल इंजन की सरकार है। कोरिया जिले के बैकुंठपुर रवाना होने से पहले सीएम ने कहा कि मैंने राज्यपाल अनुसुईया उइके से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। सार्वजनिक रूप से उन्होंने सरकार की तारीफ की है। आरक्षण मामले में वो चाहती थी हस्ताक्षर करना पर भाजपा ने नहीं करने दिया।

राज्यपाल बनने बीजेपी नेताओं की उम्मीद पर उन्होंने कहा कि वो चेहरा घोषित नहीं कर रहे न ही राज्यपाल बना रहे हैं। पूर्व



मुख्यमंत्री रमन सिंह पर तंज कसते हुए कहा कि जिन्हें राज्यपाल बनना था, उन्हें लॉलीपॉप मिला ये दुर्भाग्य है जबकि रमेश बेस को प्रमोशन मिल रहा है। लोकसभा और राज्यसभा में पक्ष रखने के राहुल गांधी के बयान पर कहा कि जब राहुल गांधी पहले बोलते थे तो लोकसभा और राज्यसभा में बोलने नहीं देते थे। आज वो बात सही साबित हो रही है। पीएम ने अपने भाषण में कहा कितनों पर भारी हूं। अदानी का नाम न लेकर उन्होंने सिद्ध कर दिया कि भाजपा पर अदानी भारी हैं।

### नक्सलियों की ताकत कमजोर हुई

भाजपा की ओर से लगाए गए टारगेट किलिंग के आरोप पर सीएम ने कहा कि इस समय पर नक्सली ऐसी घटनाएं करते हैं, भाजपा नेताओं की हत्या हुई है। आज नक्सली घर जाकर हत्या कर रहे हैं। मतलब उनकी ताकत कम हुई है। वो अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। डीजी को निर्देश दिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को दुरस्थ करें, बैठके लें। भाजपा नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था हटाने के आरोप पर कहा कि सुरक्षा हटाने का नाम न लें, हमने कभी सुरक्षा नहीं हटाई है। बजट और प्रदेश की जनता के उम्मीदों पर कहा कि बजट आने दीजिए। चर्चा होगी तब तक इंतजार करें।

### भाषण में झूठे आंकड़े दिए गए

बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष के आंकड़ों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी नड्डा जी आए थे। बयान दे रहे थे डबल इंजन का। इन भाषण में झूठे आंकड़े दिए गए मेरे पास सही आंकड़े हैं। मैं दे दूंगा। यहां आकर झूठ बोल रहे नड्डा जी। उन्होंने जो शब्द पश्चिम बंगाल में बोले थे। वही लाइनें यहां दोहरा रहे हैं। ये ट्रबल इंजन है, भाजपा के समय में लूट चलता था। आदिवासियों की बात करते थे पर अपने ही नेता का सम्मान नहीं कर पाई भाजपा। रमन सिंह के परिवार वालों की संपत्ति कितनी बढ़ी? इस पर जांच के लिए राज्यपाल से आग्रह किया था पर नहीं हुआ, अब नए राज्यपाल से उम्मीद है। मेरे से ज्यादा सुरक्षा रमन सिंह की है।

# न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गारंटी कानून हो-टिकैत

## किसी भी किसान संगठन को चुनाव में नहीं जाना चाहिए

**रायपुर।** हसदेव अरण्य बचाओ आंदोलन की किसान महा सम्मेलन के लिए छत्तीसगढ़ पहुंचे संयुक्त किसान मोर्चा और उसके नेता राकेश टिकैत ने कहा कि इस देश में किसान आंदोलन से बड़े मूवमेंट की जरूरत पड़ेगी। देश उसके लिए तैयार है।यह आंदोलन पिछले साल तक चली दिल्ली की घेराबंदी वाले आंदोलन से बड़ा होगा। एमएसपी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गारंटी का कानून पूरे देश में लागू होना चाहिए। उनके दौरे को विधानसभा चुनाव से जोड़े जाने पर टिकैत ने कहा, चुनाव की वजह से आना-जाना थोड़े न छोड़ देंगे। किसी भी किसान संगठन को चुनाव में नहीं जाना चाहिए।

विमानतल पर किसान नेताओं और दूसरे संगठनों ने टिकैत का स्वागत किया। इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए टिकैत ने कहा, आने वाले समय में देश में वैचारिक क्रांति आएगी। विचार से उत्पन्न होने वाली क्रांति-इस शब्द का इस्तेमाल

2014 के चुनाव में हुआ था। अभी नौजवानों को रोजगार नहीं है, वह इन शब्दों का इस्तेमाल करेगा। दिल्ली में जो आंदोलन चला था 1× महीनों तक उससे भी बड़े आंदोलन की जरूरत पड़ेगी। देश इसके लिए तैयार है, नौजवान तैयार हैं, दुकानदार तैयार हैं। जिस तरह से बड़ी कंपनियां आ रही हैं हर क्षेत्र में और पैसे का बड़ा इन्वॉल्वमेंट उनका हो गया तो गरीब आदमी का जीवन कुछ रहा नहीं। फिर से ट्रेक्टर मार्च निकालने पड़ेंगे। हो जाएगा।

उनके दौरे को विधानसभा चुनाव से जोड़े जाने पर टिकैत ने कहा, चुनाव की वजह से आना-जाना थोड़े न छोड़ देंगे। भाजपा वाले करते हैं कि जहां-जहां चुनाव आता है वहीं जाते हैं। यहां तो भाजपा सरकार में हैं नहीं, हम फिर भी आए हैं। यहां की सरकार से पहले भी बातचीत हुई है, हम फिर उनसे बातचीत करेंगे। हम चुनाव से दूर रहेंगे। मेरा मानना है कि किसी भी किसान संगठन को चुनाव में नहीं जाना चाहिए। उन्हें सरकार से बातचीत करनी चाहिए और लोगों को अपनी बात बतानी चाहिए। उन्होंने कहा, यहां की सरकार कुछ ठीक कर रही है लेकिन कुछ मामले हैं जिनको भी निपटाओ। बातचीत के माध्यम से निपटाओ।टिकैत ने कहा, एमएसपी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गारंटी का कानून पूरे देश में लागू होना चाहिए। एक स्टेट दे दे तो काम नहीं चलेगा। यह कानून बन जाएगा तो कोई भी व्यापारी जिसे अनाज, फल-सब्जी, दूध और मछली का व्यापार करना है वह कम कीमत पर नहीं खरीद पाएगा। छत्तीसगढ़ वेजीटेबल्स का बड़ा हब है। यहां के किसानों ने दिल्ली का मार्केट भी पकड़ रखा है, लेकिन यह है कि उसको लाभ मिले। दूध के किसान को मिले, जो आदिवासी जंगलों में रहते हैं उनको भी लाभ मिले। जब तक एमएसपी गारंटी कानून नहीं बनेगा, किसान को लाभ नहीं होगा। फिर जितनी पैदावार होती है सरकार उतनी खरीद नहीं करती। प्रति हेक्टेयर के हिसाब से खरीदी होती है। सीधी बात यह है कि जब तक गारंटी कानून नहीं होगा, स्वामिनाथन कमेटी की रिपोर्ट लागू नहीं होगी, तब तक किसान को फायदा नहीं होगा।

## मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

# आइए, गाय को गले लगाएँ!

भारत के पशुपालन बोर्ड ने 14 फरवरी को गाय को गले लगाओ दिवस ( अंग्रेजी में कहें तो काऊ हग डे) मनाने की अपील की है। इस देश में कुत्तों के प्रति प्रेम बढ़ने के कारण गायों की उपेक्षा हो रही है। हम अनेक चित्र ऐसे देखते हैं जिसमें लोग बड़े प्यार से अपने कुत्ते को गले लगा कर फोटो खिंचवाते हैं। कुत्ता उनके पूरे चेहरे को चाटता रहता है और लोग वीडियो बनवाते हैं। ऐसे लोगों से अगर हम कहें कि आपको गाय को गले लगाना है तो मुँह बनाने लगते हैं। समाज का यह परिवर्तन चौंकाने वाला है। भारत वह देश है, जहां सदियों से गोपालन होता रहा। भगवान कृष्ण और गाय के प्रेम की अनेक कथाएं हम जानते हैं ।लेकिन अब हालत यह हो गई है कि हमें अपील करनी पड़ती है कि गाय को गले लगाएँ।दुनिया में अनेक देश ऐसे हैं, जहां गायों को गले लगाया जाता है मगर हम गायों से दूर हो रहे हैं । अपने उपन्यास एक गाय की आत्मकथा में मैंने गोवंश की दुर्दशा का विस्तार से वर्णन किया है। उपन्यास में एक गाय कहती है,मैंने सुना है हर साल पाँच सौ करोड़ रुपये का मांस बाहर भेजा जाता है। आजादी के बाद से अब तक अस्सी फ़ीसदी गौवंश नष्ट हो चुका है। अभी जो बचा है, उनसे चार पाँच करोड़ टन दूध उत्पादित होता है। एक अरब टन गोबर मिलता है। देश में इस वक्त लगभग बीस करोड़ गाय-बैल हैं। दस करोड़ भैंसें हैं। सबसे बड़ी बात देश की साठ फ़ीसदी ऊर्जा पशुओं से ही मिलती है। आश्चर्य फिर भी आदमी हमें मार डालता है। देश जब आजाद हुआ था, तब देश में तीन सौ कत्लखाने थे, मगर आज छत्तीस हजार हैं। इतने तो सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज हैं। वाह, क्या प्रगति है। सवा सौ गुना। आज देश में प्रतिदिन चार लाख पशुओं को काटा जाता है। और गौवंश...? आँकड़े बताते हैं कि रोज पचास हजार काट दिये जाते हैं। हो सकता है, इससे भी कहीं ज्यादा हो। हमारा मांस विदेश भेजा जाता है। देस-परदेस हर कहीं लोग गौ मांस खा रहे हैं। सब कहते हैं कि गौ मांस बड़ा स्वादिष्ट होता है। इसी चक्कर में हम कटते जा रहे हैं। इसीलिए तो जनकवि सतीश उपाध्याय को गीत रचना पड़ रहा है–

मैं गाय हूँ, मैं गाय हूँ, मिटता हुआ अध्याय हूँ
लोग कहते माँ मगर, मैं तो बड़ी असहाय हूँ
चाहिए सबको कमाई, बन गई दुनिया कसाई
खून मेरा मत बहाओ, माँ को अपनी मत लजाओ
बिन कन्हैया के धरा पर, भोगती अन्याय हूँ
मैं गाय हूँ, मैं गाय हूँ।

गौ-हत्या-विरोधी-प्रदर्शन एक तमाशे जैसा भी हो गया है क्योंकि लोग गौ सेवा के नाम पर एक औपचारिकता निभाने चले जाते हैं। यही कारण है कि जिन दानवों के खिलाफ आंदोलन चल रहा है उन पर भी कुछ असर नहीं हो रहा। वे सरकारों, नेताओं और प्रशासन को चंदे दे-देकर निर्भीक-निर्लज्ज हो चुके हैं। तनावरहित हैं, क्योंकि वे मानते हैं कि उनका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। यह अजब-गजब लोकतांत्रिक देश है। लोग कहते हैं कि यहाँ लूटने वाले अक्सर मजे में रहते हैं और लुटने वालों की कहीं कोई सुनवाई नहीं होती। आम आदमी भगवान के घर देर है अंधेर नहीं है के झुनझुने के सहारे जीवन काट देता है। गाय का सवाल भी

इसी भरोसे हल होने की प्रतीक्षा में है। फिर भी...गाय को पक्का यकीन है कि एक न एक दिन कोई ऐसी महान सरकार ज़रूर आएगी जो गाय को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करेगी....गौवध बंद होगा....भारत गौ राष्ट्र के रूप में पूरी दुनिया में पहचाना जाएगा।.....एक न एक दिन लोग हर तरह की जीव-हिंसा के सवाल पर सोचेंगे जरूर। ऐसा नहीं है कि गाय को बचाना है तो भैंसों की बलि देनी है। गौवंश बचे, सारा पशु-धन बचे.....एक न एक दिन पत्थर पिघलेगा...मन के किसी कोने में सुप्त-सी पड़ी करुणा जागेगी....अंततः जीतेगी अहिंसा ही। यह खूबसूरत दुनिया अहिंसा के सहारे ही सुखमय और आधुनिक बन सकेगी।.....बस, इसी कल की प्रतीक्षा में गोपाल और श्री राम के देश की हम बे-चारी गाय अपना आज कुर्बान कर रही हैं। तमाम तरह की आधुनिकताओं के बावजूद हिंदुस्तान में करोड़ों लोग आज भी गाय को माता मानते हैं, उसकी पूजा करते हैं। गाय से जुड़ी अनेक कथाएं हम पढ़ते रहते हैं लेकिन अब गाय की बुरी दशा है। पढ़ा-लिखा एक वर्ग अब गर्व से कहता है कि हम गौ मांस खाते हैं । समय- समय की बात है। हो भी क्यों न! पहले भारत भारत था, अब इंडिया जो बन गया है। बावजूद इसके आज भी करोड़ों भारतवासी गौ सेवा में लगे हुए हैं । लेकिन इनमें से कुछ लोग बेमन से गाय की सेवा करते हैं । जब तक गाय दूध देती है, तब तक तो ठीक लेकिन जब वह बूढ़ी हो जाती है, तो उसे सड़कों पर छोड़ देते हैं। अपने माता-पिता को वृद्ध आश्रम भेज देते हैं। ऐसी छूटी गायों की दुर्दशा हम आए दिन देखते हैं । अनेक राज्यों में लावारिस गौवंश अब लंपी नामक चर्म रोग का शिकार होकर बेमौत मर रहा है। ऐसे समय में अगर काऊ हग डे मनाने की अपील की जाती है, तो यह बेहद सार्थक अपील है। उम्मीद की जानी चाहिए कि 14 फरवरी को देश के कोने कोने में लोग गाय को गले लगाएंगे। बहुत हो चुका कुत्तों से प्रेम! अब यह देश गोवंश से प्रेम की ओर बढ़े। गाय से प्रेम का सिलसिला 14 फरवरी तक ही सीमित रहना नहीं रहना चाहिए। गाय हमारे जीवन में प्रतिदिन का अनिवार्य हिस्सा बने। जो लोग पाल सकते हैं , वे गौ पालन करें,तभी गाय बचेगी।

आओ, हम सब मिल कर के,
गऊओं को गले लगाएँ।
बहुत प्यार कुत्तों को बाँटा,
माँ को भी अपनाएँ।।

## नियमितीकरण की आड़ में ह्वे रही जनता से लूट - म्हस्के

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रवक्ता दीपक म्हस्के ने निर्माण नियमितीकरण में भ्रष्टाचार और जनता से लूट खसोट का आरोप लगाते हुए कहा है कि संपत्ति कर आधा करने का वादा करके सत्ता में आई कांग्रेस अब जनता को लूटने पर उतर आई है। प्रदेश के अवैध निर्माण को वैध करने के लिए शासन ने नियमितीकरण कानून लागू किया है। इस नियमितीकरण की आड़ में प्रदेश के कांग्रेसी महापौर और नगरपालिका अध्यक्ष ने सभी निर्माण को अवैध बताकर नियमित कराने का नोटिस जारी कर दिया है। इससे नागरिकों में भ्रम और भय की स्थिति हो गई है।

# शराब के जखीरा के साथ 2 शराब कोचिये पकड़ाये

**रायपुर ।** सन् 1993-94 के आबकारी सत्र में आसपास के 25-30 ग्रामों के सहयोग से सफल शराब भट्ठी विरोधी आंदोलन चला चुके आरंग थाना क्षेत्र के ग्राम भानसोज में 2 शराब कोचिये शराब के जखीरा के साथ पकड़े गये ।

बीते दिनों भेंट मुलाकात कार्यक्रम में भानसोज पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से शिकायत के बाद आरंग थाना द्वारा यह कार्यवाही की? गयी । बीते 11 व 12 फरवरी के

दरम्यानी रात मुखबिर की सूचना पर सहायक उप निरीक्षक सोनप्रसाद राजवी के अगुवाई में आरक्षक गिरधर प्रजापति ने 32 वर्षीय लखेश माखीजा के घर बाड़ी से बोरी में रखे 21120 रुपये कीमत की 192 पौव्वा देशी शराब जस किया वहीं प्रधान आरक्षक हरनारायण साहू के साथ पहुंचे आरक्षक राकेश सिंह सैनिक व दुर्गेश चंद्राकर के दल ने 25 वर्षीय मनोज कुमार लहरी के बाड़ी से 15480 रुपये कीमत की 144 पौव्वा शराब जप्त किया । दोनों के पास से 5 लीटर से अधिक शराब जप्त होने के कारण इन्हें गैरजमानतीय अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय में पेश किया गया जहां से इन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है ।

## वरिष्ठ समाजसेवी कन्हैया प्रसाद तिवारी के प्रतिमा का अनावरण

**रायपुर।** राजधानी से लगे अभनपुर के ग्राम पचेड़ा में श्री कन्हैया प्रसाद तिवारी धर्माचार्य समाजसेवी और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के सहयोगी के प्रतिमा का अनावरण संपन्न हुआ। प्रथमा अनावरण के मुख्य अतिथि विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा व विशेष अतिथि गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष अध्यक्ष राजेश श्री महंत डॉ श्री राम सुंदर दास थे। श्रीमती अनीता योगेंद्र शर्मा विधायक धरसीवा, कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री धनेंद्र साहू के अतिथि में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान समस्त ग्रामवासी व आसपास के क्षेत्र के जनसमूह उपस्थिति थे।

## पारंपरिक शिल्पकलाओं पर पन्द्रह दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आज से

**रायपुर।** संस्कृति विभाग द्वारा पारंपरिक शिल्प व कलाओं के संरक्षण, प्रचार-प्रसार, जागरूकता तथा रूचि जागृत करने के लिए विविध पारंपरिक विधाओं पर प्रशिक्षण शिविर आकार 2023 का पन्द्रह दिवसीय आयोजन कल 14 फरवरी से 28 फरवरी तक होगा। प्रशिक्षण शिविर प्रतिदिन शाम 04 बजे से शाम 07 बजे तक महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर सिविल लाईन रायपुर में किया जाएगा। संस्कृति विभाग के अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस प्रशिक्षण के लिए इच्छुक युवा 100 रूपये का पंजीयन शुल्क जमा कर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण शिविर में युवाओं को चित्रकला, मधुबनी, रजवार भित्ती, गोदना, क्ले आर्ट, ग्लास पेंटिंग, म्यूरल आर्ट, जूट शिल्प, लोक नृत्य, बोनसाई, गोंड़ आर्ट, स्केचिंग-पटचित्र विद्याओं में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

## कांग्रेस में घट रहा भूपेश बघेल का कद- विजय शर्मा

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा महामंत्री विजय शर्मा ने कांग्रेस संगठन में मचे आंतरिक संघर्ष और सह प्रभारी की नियुक्ति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस में प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष बनाम भूपेश बघेल संग्राम चल रहा है। इस शह मात के खेल में कांग्रेस बेपरदा हो गई है। भूपेश बघेल का कद सिमट गया है। भाजपा प्रदेश महामंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के भरोसेमंद संगठन महामंत्री अमरजीत चावला को नोटिस जारी करवाया तो जवाब में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा ने अपने विश्वस्त विजय जांगिड़ को छत्तीसगढ़ में सह प्रभारी नियुक्त करवा लिया। स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ में संगठन और सत्ता की लड़ाई अब रुकने वाली नहीं है। कांग्रेस में कई सारे गुट बन गए हैं। सत्ता के भीतर गुटबाजी। संगठन में गुटबाजी। सत्ता और संगठन में गुटीय संघर्ष कांग्रेस के सत्ता संगठन में अजब गजब सर्कस चल रहा है। अभी कुछ दिन पहले मोहन मरकाम के खास अमरजीत चावला को नोटिस जारी कर भूपेश बघेल ने बढ़त लेने का जो प्रयास किया था, वह विफल हो गया है। कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा ने अपने भरोसेमंद जांगिड़ को सह प्रभारी बनवा कर फिर बढ़त ले ली है। यह साबित कर रहा है कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस में भूपेश बघेल का एकाधिकार कम होने लगा है। प्रदेश भाजपा महामंत्री विजय शर्मा ने कहा कि कांग्रेस की यह जंग विधानसभा चुनाव में उसकी हार के बाद ही रुकेगी। अभी तो यह शुरुआत है।

## मोदी सरकार विपक्ष की आवाज दबा रही - कांग्रेस

**रायपुर।** कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को भाजपा सांसदों की शिकायत पर लोकसभा सचिवालय द्वारा दिया गया नोटिस विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि राहुल गांधी ने सदन में जो कहा वह भारत के एक-एक आदमी की आवाज है जो राहुल गांधी ने बोला वह पहले से ही पब्लिक डोमेन में है। उसमें कुछ भी असंसदीय नही है। देश में बैठी हुई मोदी सरकार अपनी आलोचना और अपने घोटाले के पर्दाफाश होने से डर रही इसलिये राहुल गांधी को नोटिस भेजा गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के भाषण के अंश को असंसदीय बता कर सदन की कार्यवाही से हटाया गया। अब कांग्रेस नेता को नोटिस भेजकर अपने भ्रष्टाचार के खिलाफ उठने वाली आवाज का दमन जा रहा है। यह मोदी सरकार की तानाशाही देश के लोकतंत्र से ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि सदन की कार्यवाही से भाषण के अंश को हटाकर राहुल गांधी को नोटिस भेजकर प्रधानमंत्री देश की जनता के सवालो से भाग नही सकते। देश की जनता जानना चाहती एलआईसी और एसबीआई के करोड़ो निवेशक जिन्होंने सरकार पर भरोसा करके अपनी गाढ़ी कमाई इस सरकारी संस्थाओं में लगाया था।

## कांग्रेस आदिवासी राज्यपाल को बार बार अपमानित कर रही - केदार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा महामंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस से मांग की है कि वह संवैधानिक पद की गरिमा को आघात पहुंचाने अपनी अपमानजनक टिप्पणियों के लिए राज्यपाल से माफी मांग ले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एक आदिवासी महिला राज्यपाल का कई बार मजाक उड़ाया। उसके जितने भी नेता हैं, चाहे छोटे नेता हों, चाहे प्रवक्ता हों, चाहे स्वयं मुख्यमंत्री हों, सभी लगातार आदिवासी महिला राज्यपाल के खिलाफ टीका टिप्पणी करते रहे। अब उनके विदा लेने का समय आ गया है छत्तीसगढ़ से वे जा रही हैं। कांग्रेस पार्टी को चाहिए कि अब महिला आदिवासी राज्यपाल के अपमान पर राजभवन जाकर उनसे माफी मांग लें एवं अपनी गलतियों का प्रायश्चित करें। भाजपा प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने कहा कि आरक्षण के मामले में कांग्रेस सरकार ने समुचित, संतोषजनक जवाब नहीं दिए। छाँटिफायबल डाटा आयोग की रिपोर्ट नहीं दी।विधानसभा में भी यह रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की। राज्यपाल ने संवैधानिक व्यवस्था के तहत अपने कर्तव्य का पालन किया तो उनके विरुद्ध बेहूदा टिप्पणियों की श्रृंखला चलाई।

## कस्टम मिलिंग के लिए 98 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव

**रायपुर।** प्रदेश में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के पश्चात् अब कस्टम मिलिंग के लिए मिलर्स द्वारा तेजी के साथ धान का उठाव किया जा रहा है। अब तक 98 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान का उठाव किया जा चुका है, जबकि 103 लाख मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डीओ जारी कर दिया गया है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में निरंतर धान का उठाव जारी है। प्रदेश के किसानो से इस वर्ष 107 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी की गई है। गौरतबल है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश की पहल पर पिछले वर्ष की तर्ज पर इस वर्ष भी धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए उपार्जन केन्द्रों से धान का उठाव शुरू किया गया था, जिसके चलते राज्य सरकार को परिवहन व्यय में काफी कमी आयी है। इसके साथ ही धान खरीदी के बाद धान उठाव की लंबी प्रक्रिया से भी निजात मिली है। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष 23 लाख 82 हजार से अधिक किसानों से 31 जनवरी 2023 तक 107.53 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। किसानों को धान खरीदी के एवज में भुगतान हेतु बैंक लिकिंग व्यवस्था के तहत मार्कफेड द्वारा अपैक्स बैंक को 22 हजार 67 करोड़ रूपए जारी किया गया है। अब तक कुल धान खरीदी 107.53 लाख मीट्रिक टन में से कस्टम मिलिंग के लिए 103 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान के उठाव के लिए डीओ जारी किया गया है, जिसके विरूद्ध मिलर्स द्वारा 98 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान का उठाव कर लिया गया है।

## जनता तो जनता, संगठन भी भूपेश के खिलाफ - केदार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रवक्ता केदार गुप्ता ने प्रदेश कांग्रेस संगठन महामंत्री अमरजीत चावला को कांग्रेस की केंद्रीय अनुशासन समिति के सदस्य सचिव द्वारा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के विरुद्ध मुहिम चलाने के आरोप में नोटिस दिए जाने का हवाला देते हुए कहा है कि इस नोटिस ने कांग्रेस की पोल खोल दी है कि वहां कैसी महाभारत छिड़ी हुई है। इसके अलावा यह सच भी सामने आ गया है कि जनता तो जनता कांग्रेस संगठन भी भूपेश बघेल के खिलाफ है। उनकी नीतियों और कुशासन से सरकार के मंत्री और संगठन के पदाधिकारी भी त्रस्त हैं। भूपेश बघेल की तानाशाही को कांग्रेस का प्रदेश संगठन बर्दाश्त नहीं कर पा रहा। वह भूपेश बघेल का विरोध कर रहा है। क्योंकि वे संगठन पर कब्जेदारी करना चाहते हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम को कठपुतली बनाये रखना चाहते हैं। कांग्रेस की नई प्रभारी की नियुक्ति के बाद मोहन मरकाम और भूपेश बघेल के बीच वर्चस्व की लड़ाई तेज हो गई है। मरकाम को कांग्रेस अधिवेशन की स्वागत समिति का मुखिया बनाया गया है और भूपेश बघेल को सह अध्यक्ष बनाया गया, जिसकी शिकायत भूपेश बघेल ने ऊपर तक की। जब मोहन मरकाम से पार नहीं पा सके तो उनके खास सिपहसालार अमरजीत पर गाज गिरवा रहे हैं। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा कि भूपेश बघेल को विरोध बर्दाश्त नहीं है।

# जीवन जीने में कोई कष्ट नहीं होता, संयमी जीवन जीने का प्रयास करें-स्नेह यशाजी मसा

**रायपुर।** सकल जैन समाज की ओर से 21 दिवसीय भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव का आयोजन 15 मार्च से रायपुर में किया जा रहा है। 4 अप्रेल तक चलने वाले इस महोत्सव के लिए तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। महोत्सव के तहत भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति 2023 के कार्यालय का उद्घाटन सकल जैन समाज के सभी घटकों की अध्यक्षता में पूर्व मंत्री राजेश मूणत के द्वारा किया गया। जिसमें सभी गणमान्य नागरिक, विशिष्टजन और पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर परम पूज्य साध्वी स्नेह यशा जी मसा ने कहा कि भगवान महावीर के बताए गए सिध्दांतों के अनुसार जीवन को जीने में किसी भी

प्रकार का कोई कष्ट या कोई समस्या नहीं आती है। हमें अपने जीवन को संयमी जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए। महावीर जयंती हर साल आती है ताकि हम पूरी ऊर्जा के साथ भगवान महावीर द्वारा बताए गए सिध्दांतों के अनुरूप अपने आप को और आगे की दिशा में काम करने के लिए ऊर्जावान बनाए और सेवा के कार्यों के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ सकें। समिति के मुख्य संरक्षक व पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने कहा जैन समाज सिर्फ अपने लिए चिंता नहीं करता बल्कि वो सभी समाज के लिए अपनी सेवाओं के माध्यम से लोगों की चिंता करता है। अपने प्रवह में और आगे आना चाहिए। कार्यक्रम में सबसे पहले कार्यालय बोर्ड का अनावरण किया गया। फिर भगवान महावीर के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित की गई। पूरा कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन महासचिव श्री सुशील कोचर, धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष श्री विजय गंगवाल ने किया।

### राज परिवार में जन्में स्वर्गीय डॉ. रामचंद्र सिंहदेव ने फकीर का जीवन जिया

# मुख्यमंत्री ने रामचंद्र सिंहदेव की प्रतिमा का किया अनावरण

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज प्रदेश के प्रथम वित्त मंत्री, कोरिया कुमार के नाम से विख्यात स्वर्गीय डॉ रामचंद्र सिंहदेव की जयंती अवसर पर कोरिया जिला के मुख्यालय बैकुंठपुर के घड़ी चौक में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। आज यह चौक कोरिया कुमार को समर्पित किया गया। मुख्यमंत्री ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

बघेल ने स्वर्गीय डॉ. रामचंद्र सिंहदेव को याद करते हुए कहा कि उनका पूरा जीवन छत्तीसगढ़ को समर्पित रहा। उनके चिंतन के केंद्र में छत्तीसगढ़ और कोरिया हमेशा से रहा और यहां के विकास के बारे में वे हमेशा चर्चा करते रहे। वे बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। श्री बघेल ने कहा कि

कोरिया कुमार डॉ. सिंहदेव ने भले ही राजपरिवार में जन्म लिया पर उन्होंने एक फकीर का जीवन जिया। उनका जीवन बेहद सादगीपूर्ण रहा। वे आजीवन मितव्ययी रहे। डॉ. रामचंद्र सिंहदेव सहज, सरल, मिलनसार, हंसमुख व्यक्तित्व के धनी थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह आदिवासी अपनी आवश्यकतानुसार ही प्रकृति से लेते हैं, संग्रहण करके नहीं रखते, उसी तरह कोरिया कुमार अपने जीवन में रहे। मुख्यमंत्री ने अपने पीएचई मंत्री के कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि उस दौरान उनके वाटर रिचार्जिंग के काम का अध्ययन करने स्वयं डॉ सिंहदेव क्षेत्र के निरीक्षण के पर पहुंचे थे। उनकी विशेषज्ञता जलप्रबंधन और सिंचाई परियोजनाओं में रही। डॉ सिंहदेव के साथ उनके पारिवारिक संबंध भी रहे। वे हमेशा बच्चों से घुल-मिल कर रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब 1967 में वे विधायक और मंत्री बने तब आधे विभाग उनके पास थे। योजना आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने उल्लेखनीय सेवायें दीं। जब छत्तीसगढ़ बना तो वे प्रदेश के पहले वित्त मंत्री बने। आज छत्तीसगढ़ की जो प्रगतिशील अर्थव्यवस्था है उसकी नींव में उनकी सोच और विचार हैं। उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का जो आधार रखा, उसी पर आज छत्तीसगढ़ तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ सिंहदेव हमेशा कहते कि मुझे कुमार साहब मत कहो, अंकल कहो। ऐसे सादगी पसंद और मिलनसार व्यक्ति का ना रहना निश्चित रूप से हम सभी के लिए अपूरणीय क्षति है।

आर.एन.आई. रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.